सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 15 अंक - 307 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 21 अगस्त 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

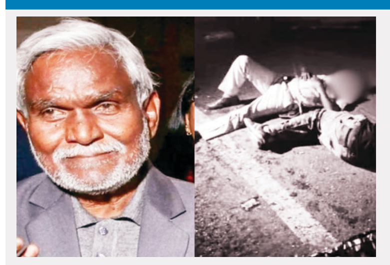

चंपाई सोरेन की गाड़ी को अज्ञात ट्रक ने मारी टक्कर, ड्राइवर की मौत

सरायकेला। झारखंड के सरायकेला टाटा मुख्य मार्ग पर मुड़िया के समीप बीती रात पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन की एस्कॉर्ट गाड़ी को अज्ञात ट्रक ने टक्कर मार दी, जिससे एस्कॉर्ट गाड़ी के चालक आरक्षी विनय कुमार वानसिंह की घटनास्थल पर मौत हो गई। वहीं इस हादसे में पांच जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना मंगलवार रात 2 बजे के आसपास की बताई जा रही है।

जानकारी के मुताबिक, पुलिस का एस्कॉर्ट वाहन मंगलवार देर रात पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन को एस्कॉर्ट कर उनके आवास जिलिंगगोड़ा छोड़कर लौट रहे थे। इस बीच मुड़िया के समीप दुर्घटना हो गई। एक अज्ञात ट्रक ने एक एस्कॉर्ट गाड़ी को टक्कर मार दी। घटना के बाद सभी पुलिसकर्मी सड़क पर ही गिर गए और उनके हथियार भी सड़क पर बिखर गए। दुर्घटना के बाद सभी घायल जवानों को एम्बुलेंस से सदर अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने चालक को मृत घोषित कर दिया। जबकि अन्य घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए एमजीएम रेफर कर दिया गया। मृत पुलिस चालक पश्चिमी सिंहभूम के बोया का रहने वाला था।। परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है लेकिन परिजन अब तक नहीं पहुंचे हैं।

सिस्टम को कसने में जुटे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

छत्तीसगढ़ समेत नक्सल प्रभावित राज्यों के अफसरों की लेंगे बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

रायपुर। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के दौरे से ठीक पहले मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सिस्टम को कसने में जुट गए हैं। शाह 23 अगस्त को यहां आ रहे हैं। वे तीन दिनों तक छत्तीसगढ़ में ही रहकर कई समीक्षा बैठकें करेंगे। उनके आगमन से ठीक पहले मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सक्रिय हो गए हैं। उन्होंने बुधवार को नया रायपुर स्थित पीएचक्यू में मैराथन बैठक की। हालांकि समाचार के लिखे जाने तक यह बैठक जारी थी, लेकिन बताते हैं कि खासतौर पर नक्सल उन्मूलन अभियान को लेकर सीएम साय ने वरिष्ठ पुलिस अफसरों से मंत्रणा की। अभियान की प्रगति की समीक्षा की और राज्य सरकार की नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में चल रही जनकल्याणकारी नीतियों को लेकर भी चर्चा की। उपमुख्यमंत्री व गृहमंत्री विजय शर्मा भी इस दौरान मौजूद रहे। एक अन्य महत्वपूर्ण घटनाक्रम में सीएम साय आज ही रात्रि राज्यपाल रमेन डेका से भी मिलने वाले हैं।

शाह के छत्तीसगढ़ दौरे से पहले आज मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय पुलिस विभाग की बड़ी बैठक लेने पहुंचे। यह बैठक दोपहर तक चली। पुलिस के आला अफसरों ने सीएम के सामने प्रजेंटेशन दिया। इस दौरान नक्सल समेत विभिन्न विषयों पर चर्चा होने की खबर है।

23 को 3 दिनी दौरे पर आ रहे हैं गृहमंत्री अमित शाह

इन्हीं विषयों को राज्य के पुलिस अधिकारी अमित शाह की बैठक में भी रखेंगे। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह 23 से 25 अगस्त तक छत्तीसगढ़ का दौरा करेंगे। कार्यक्रम के मुताबिक, 23 अगस्त को रायपुर पहुंचकर भाजपा नेताओं की बैठक लेंगे। यह बैठक कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में होगी। 24 अगस्त को नक्सल प्रभावित राज्यों की बैठक लेंगे। झारखंड, ओडिशा, महाराष्ट्र, तेलंगाना और छत्तीसगढ़ राज्य की बैठक होगी। बैठक में राज्यों के मुख्य सचिव और डीजीपी मौजूद रहेंगे। राज्य सरकार के नक्सल ऑपरेशन पर मंथन होगा। 25 अगस्त को सहकारिता विभाग की बैठक लेंगे। फिर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दिल्ली के लिए रवाना होंगे।

प्रशासनिक अफसरों के मुताबिक, अमित शाह राज्य की कानून-व्यवस्था की स्थिति, नक्सल विरोधी अभियान और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्यों की समीक्षा करेंगे। मुख्यमंत्री श्री साय ने इससे पहले ही आज पुलिस अफसरों से पूरी रिपोर्ट लेने की कोशिश की, ताकि वे अमित शाह के सामने राज्य की स्थिति को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत कर सकें। पीएचक्यू में बैठक के बाद मुख्यमंत्री आज ही रात करीब 8 बजे राजभवन जाएंगे, जहां वे राज्यपाल से मुलाकात करेंगे। यह बैठक लगभग एक घंटे तक चलेगी और इसे सौजन्य भेंट के रूप में बताया जा रहा है। इस दौरान, मुख्यमंत्री और राज्यपाल के बीच प्रदेश के विभिन्न विषयों पर चर्चा होगी। सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री राज्यपाल के साथ डिनर भी करेंगे, जिससे यह बैठक एक सौहार्दपूर्ण माहौल में होगी।

एनसीबी कार्यालय का करेंगे उद्घाटन

25 अगस्त की सुबह, शाह 11 बजे राष्ट्रीय क्राइम रिकार्ड ब्यूरो (एनसीबी) के ब्रांच कार्यालय का उद्घाटन करेंगे और समीक्षा बैठक करेंगे। दोपहर 2 बजे वे छत्तीसगढ़ सरकार के अफसरों के साथ बैठक करेंगे और राज्य की विकास योजनाओं पर चर्चा करेंगे। दोपहर साढ़े 3 बजे शाह होटल से रायपुर एयरपोर्ट के लिए रवाना होंगे और करीब 4 बजे उनका विशेष विमान दिल्ली के लिए उड़ान भरेगा। गौरतलब है कि समर्पित नक्सलियों के पुनर्वास से लेकर नक्सल पीड़ित परिवारों के प्रश्रय तक प्रदेश की विष्णुदेव साय सरकार ने अनेक महत्वपूर्ण योजनाएं लागू की है। स्थानीय बोली को आधार बनाकर नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में कई अभियान चलाए जा रहे है। इनमें आमचो बस्तर आमचो पुलिस, पूना नार्कोम, पूना वेश, मावा पुलिस केतुल, लोन वर्राटू, निया नार निया पुलिस, आमचो पुलिस आमचो संगी, मनवा नवानार, मावा गिरधा कोंडानार और बस्तर ता माटा शामिल हैं। नियद नेल्लानार जैसी योजनाएं भी प्रभावशाली साबित हुई हैं।

लोन वर्राटू और नियद नेल्लानार

विधानसभा चुनाव से पूर्व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से लेकर गृहमंत्री अमित शाह तक ने राज्य से नक्सलवाद के सफाए का वायदा किया था। राज्य में विष्णुदेव साय की अगुवाई में भाजपा की सरकार बनी तो केन्द्र और राज्य की डबल इंजन सरकार ने मिलकर काम करना प्रारम्भ किया, जिसके बेहतर नतीजे भी सामने आए। छत्तीसगढ़ में नक्सलियों को आत्मसमर्पण के लिए प्रोत्साहित करने लोन वर्राटू अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के चलते अब तक सैकड़ों की संख्या में नक्सली आत्मसर्पण कर चुके हैं। उनके रोजगार और पुनर्वास की भी व्यवस्था सरकार कर रही है। वहीं नियद नेल्लानार जैसी योजनाओं के जरिए नक्सल प्रभावित गांवों को आदर्श गांवों के रूप में तब्दील किया जा रहा है। इन प्रभावित गांवों में ज्यादा से ज्यादा विकास के कार्य भी करवाए जा रहे हैं, जिसका सकारात्मक परिणाम सामने आया है।

वल्लभाचार्य आश्रम में करेंगे दर्शन

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 23 अगस्त को तीन दिवसीय दौरे पर रायपुर आ रहे हैं। उनका दौरा चम्पारण स्थित वल्लभाचार्य आश्रम से शुरू होगा, जहां वे दर्शन करेंगे। इसके बाद वे नक्सल प्रभावित राज्यों के अफसरों की बैठक लेंगे, जिसमें छत्तीसगढ़ सहित झारखंड, ओड़िशा, महाराष्ट्र व तेलंगाना राज्यों के अधिकारी शामिल होंगे। शाह 23 अगस्त की रात साढ़े 10 बजे रायपुर पहुंचेंगे और नवा रायपुर के एक होटल में रुकेंगे। अगले दिन, वे सुबह 10 बजे एयरपोर्ट से हेलीकॉप्टर से चम्पारण जाएंगे और दोपहर 12 बजे नवा रायपुर लौटेंगे। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह नवा रायपुर में एक होटल में दोपहर 12 बजे से बैठकों का दौर शुरू करेंगे। वे छत्तीसगढ़ और इसके पड़ोसी राज्यों के मुख्य सचिवों और डीजीपी के साथ नक्सल उन्मूलन और प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्यों पर चर्चा करेंगे। इसके बाद वे दोपहर 2 बजे से छत्तीसगढ़ पुलिस की बैठक लेंगे और रात में अलग-अलग राज्यों से पुलिस प्रमुखों के साथ वन टू वन बैठक करेंगे।

बदलापुर में प्रदर्शनों के बाद हालात सामान्य

300 लोगों के खिलाफ एफआईआर, 40 गिरफ्तार

ठाणे (एजेंसी)। बदलापुर में दो स्कूली छात्राओं के यौन शोषण के विरोध में रेल रोको प्रदर्शन किया गया था। इस दौरान मध्य रेलवे की कुछ रेल सेवाएं बंद कर दी गईं थीं। दोपहर में प्रदर्शनकारी स्कूल पहुंचे और तोड़फोड़ की।

महाराष्ट्र के बदलापुर में बच्चियों के यौन शोषण के विरोध में हुए बवाल के बाद बुधवार सुबह हालात सामान्य रहे। रेलवे स्टेशन पर पुलिस बल तैनात किया गया। इस दौरान ट्रेनों का सुरक्षित संचालन कराया गया। पुलिस ने अफवाहों पर लगाम लगाने के लिए कुछ दिन के लिए इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी हैं। वहीं विरोध प्रदर्शन और बवाल करने पर पुलिस ने 300 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। जबकि 40 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इन्हें कोर्ट में पेश किया जाएगा।

बदलापुर में दो स्कूली छात्राओं के यौन शोषण के विरोध में रेल रोको प्रदर्शन किया गया था। इस दौरान मध्य रेलवे की कुछ रेल सेवाएं बंद कर दी गईं थीं। दोपहर में प्रदर्शनकारी स्कूल पहुंचे और तोड़फोड़ की। इसके बाद गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने पथराव शुरू कर दिया जिसके बाद पुलिस ने रेलवे ट्रैक खाली कराया। दोपहर एक बजे प्रदर्शनकारी वापस रेलवे ट्रैक पर आ गए।

प्रदर्शनकारियों ने बदलापुर स्टेशन पर बवाल किया। इस दौरान पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा और प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करना पड़ा। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव भी किया। पुलिस द्वारा प्रदर्शनकारियों को हटाने के 10 घंटे बाद रेल सेवाएं बहाल की गईं।

मध्य रेलवे के डीसीपी जीआरपी मनोज पाटिल ने बताया कि अब स्थिति सामान्य है। ट्रेनों की आवाजाही भी हो रही है। कोई धारा नहीं लगाई गई है। अफवाहें न फैलें इसलिए कुछ दिनों के लिए इंटरनेट सेवाएं बंद की गई हैं। पुलिस ने बताया कि विरोध प्रदर्शन और बवाल करने पर पुलिस ने 300 लोगों के खिलाफएफआईआर दर्ज की है। जबकि 40 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

क्या हुआ था बदलापुर में ?

बदलापुर पूर्व के एक नामी स्कूल में दो बच्चियों के साथ यौन उत्पीड़न की घटना ने पूरे इलाके में रोष व्याप्त कर दिया है। बच्चियों के साथ यौन उत्पीड़न का आरोप स्कूल टॉयलेट साफकरने वाले व्यक्ति अक्षय शिंदे पर लगा है। रिपोर्ट के अनुसार, पीड़ितों में से एक चार साल की है और दूसरी छह साल की है। यह घटना 12 और 13 अगस्त को घटी थी। आरोपी अक्षय शिंदे को 1 अगस्त, 2024 को टॉयलेट साफकरने के लिए अनुबंध के आधार पर स्कूल में भर्ती किया गया था। स्कूल ने लड़कियों के शौचालयों की सफाई के लिए कोई महिला कर्मचारी नियुक्त नहीं की थी। इसका फायदा उठाते हुए आरोपी ने 12 और 13 अगस्त की कक्षाओं के दौरान बच्चों के साथ बदसलूकी की।

छत्तीसगढ़ में मानसून हुआ कमजोर, उमस से लोग हुए परेशान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में एक बार फिर मानसून कमजोर हो गया है। राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के कई जिलों में आज सुबह से ही तेज धूप निकली हुई है। लोग उमस से परेशान हैं। वहीं सरगुजा संभाग के अधिकांश जिलों में बारिश की गतिविधियां बनी रहेगी। रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग और बस्तर संभाग के एक-दो जिलों में ही बारिश के आसार हैं। वहीं प्रदेश में अधिकतम तापमान 35.5 डिग्री सेल्सियस पहुंच चुका है। सर्वाधिक अधिकतम तापमान राजनांदगांव में दर्ज किया गया है।

मौसम विभाग के अनुसार, छत्तीसगढ़ में आगामी 5 दिनों तक सरगुजा संभाग के अधिकतर जिलों में बारिश होने की संभावना है। इसके साथ ही एक दो जगह पर भारी बारिश हो सकती है। वही 22 अगस्त तक प्रदेश के रायपुर बिलासपुर दुर्ग और बस्तर संभाग में वर्षा की गतिविधि कम होने की संभावना है। इस बीच एक दो जगह पर हल्की मध्यम बारिश होने की संभावना है। मौसम एक्सपर्ट का कहना है कि आगामी कुछ दिनों के बाद प्रदेश में बारिश की गतिविधियां बढ़ाने की संभावना है।

मौसम एक्सपर्ट ने बताया कि एक चक्रवाती परिसंचरण अगले 48 घंटे के दौरान पश्चिम बंगाल में उत्तर पश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है। दूसरी ओर समुद्र तल पर मानसून की द्रोणिका श्रीगंगानगर, रोहतक, ओराई, चुर्क, मालदा से होकर बांग्लादेश के मध्य भागों और पड़ोस पर बने निम्न दबाव का क्षेत्र के केंद्र तक पहुंच रही है। झारखंड और पड़ोस पर सुबह का चक्रवाती परिसंचरण समुद्र तल से 0.9 किलोमीटर ऊपर बना हुआ है।

चंद्रयान-3 की सफलता के बाद अब इसरो चंद्रयान 4 व 5 की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इसरों चंद्रयान-3 को चांद पर लैंड हुए एक साल पूरा होने वाला है। इससे पहले ही इसरों यानी भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने बड़ी खुशखबरी दे दी है। उन्होंने मंगलवार को कहा कि अंतरिक्ष एजेंसी ने अगले चरण के चंद्र मिशन - चंद्रयान 4 और 5 के लिए डिजाइन पूरा कर लिया है और इस सिलसिले में सरकार से मंजूरी लेने की प्रक्रिया में जुटी हुई है।

सोमनाथ ने यहां अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद और इंडियन स्पेस एसोसिएशन द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से कहा, 'हमारे पास चांद पर जाने के लिए कई मिशन हैं। चंद्रयान-3 मिशन पूरा हो चुका है। अब चंद्रयान 4 और 5 का डिजाइन तैयार हो चुका है और हम सरकार से मंजूरी मांग रहे हैं।' इससे पहले, इसरो के अधिकारियों ने कहा था कि चंद्रयान-4 मिशन का लक्षित प्रक्षेपण वर्ष 2028 है। सोमनाथ ने कहा कि अंतरिक्ष एजेंसी इलेक्ट्रिक प्रणोदन प्रणाली और 'क्वांटम की' वितरण प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन करने के लिए ओशनसैट श्रृंखला के उपग्रहों और प्रौद्योगिकी प्रदर्शन उपग्रह एक और दो को विकसित करने की भी योजना बना रही है। सोमनाथ ने कहा कि अंतरिक्ष एजेंसी अगले पांच वर्षों में पृथ्वी-अवलोकन उपग्रहों की एक श्रृंखला प्रक्षेपित करने की भी योजना बना रही है।

इसरो प्रमुख ने कहा कि एजेंसी के पूर्वनियोजित शुक्र ग्रह मिशन को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है। उन्होंने कहा, 'हम मिशन का पुनर्मूल्यांकन कर रहे हैं।' सोमनाथ ने कहा कि गगनयान परियोजना का पहला मानव रहित मिशन इस साल दिसंबर में भेजा जाने वाला है। उन्होंने कहा, 'सभी प्रणालियां अगले एक से डेढ़ महीने में श्रीहरिकोटा पहुंच जाएंगी, जहां अंतिम परीक्षण और एकीकरण किया जाएगा।'

क्या है चंद्रयान-4 मिशन

चंद्रयान-4 मिशन में चंद्रमा की सतह पर सहजता से उपकरण उतारने के बाद पृथ्वी के इस उपग्रह की चट्टानों और मिट्टी को धरती पर लाना, चंद्रमा से एक अंतरिक्ष यान को प्रक्षेपित करना, चंद्रमा की कक्षा में अंतरिक्ष 'डॉकिंग' प्रयोग का प्रदर्शन करना और नमूनों को वापस लाना शामिल है।

5 साल में 70 मिशन की तैयारी में इसरो

सोमनाथ ने यह भी कहा कि अंतरिक्ष एजेंसी अगले पांच वर्षों में 70 सैटेलाइट्स को लॉन्च करने की योजना बना रही है, जिसमें सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पृथ्वी की निचली कक्षा के लिए उपग्रहों का एक समूह भी शामिल है। उन्होंने कहा कि इन 70 उपग्रहों में 'नाविक' क्षेत्रीय दिशा सूचक प्रणाली के लिए चार उपग्रह शामिल हैं जो अवस्थिति निर्धारण, दिशा सूचना सेवा प्रदान करेंगे। साथ ही, इनसैट 4डी मौसम उपग्रह, रिसोर्ससैट श्रृंखला के उपग्रह, रिमोट सेंसिंग और उच्च रिजोल्यूशन इमेजिंग के लिए कार्टोसैट उपग्रह शामिल हैं।

और लोग श्रवणकुमार की कथा सुन रहे हैं

श्रीकंचनपथ

एक समय था जब दादा-दादी या नाना-नानी छुट्टियों में गांव पहुंचे अपने नाती-पोतों को कहानियां सुनाया करते थे। अब छुट्टियों में कोई गांव नहीं जाता। इसलिए कहानी सुनाने की जिम्मेदारी अब कथावाचकों की है। उनकी भी मजबूरी है। थोड़े झोल-झाल के साथ वो उन्हीं कहानियों को सुनाने के लिए विवश हैं जिन्हें बोलचाल की भाषा में शास्त्र कहा गया है। वो खूब जानते हैं कि सतयुग, त्रेता या द्वापर युग की कहानियों को कलियुग में सुनने-सुनाने का कोई फायदा नहीं है। फिर भी वो श्रवण कुमार, एकलव्य, शकुन्तला दुष्यंत और भारत की कहानियां सुनाते हैं। पिछले लगभग दो दशकों में गॉडमैन (ईश्वर सदृश मनुष्यों) की बाढ़ आ गई है। हर दिन एक नया गॉडमैन सामने आ जाता है। इनमें से कुछ तो इतने बड़े हो गए हैं कि उन्हें सुनने के लिए लोग हफ्तों अपनी घर-गृहस्थी छोड़कर पंडाल में पड़े रहते हैं। यह और बात है कि वो सुनते वहां भी कुछ नहीं हैं। दिक्कत यह है कि आधुनिक जीवन की समस्याएं कुछ और ही हैं। इनका हल पोथी पुराणों में नहीं है। आज का श्रवणकुमार नशे के लिए माता-पिता की पिटाई करता है। पैसों के लिए बच्चे अपने माता-पिता की हत्या तक कर रहे हैं। थोड़े पढ़े-लिखे परिवारों में बच्चे अपने माता-पिता पर हाथ तो नहीं उठाते पर माता-पिता को मजबूर करने के लिए उनके पास भी अपने तरीके हैं। ऐसे मामलों को देख-देख कर कुछ युवा अब घर बसाने से ही इंकार करने लगे हैं। तब भी लोग श्रवण कुमार की कहानियां सुन रहे हैं। दरअसल, इन सामाजिक समस्याओं और दरकते रिश्तों पर लोग पीएचडी तो कर रहे हैं पर जमीनी स्तर पर काम करने वालों का घोर अभाव है। घरेलू मारपीट के मामलों में पुलिस भी परेशान होती है। लोग आज रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए आवेदन देते हैं और कल उसे वापस लेने भी पहुंच जाते हैं। पुलिस काउंसलरों की फौज भी निकम्मी ही साबित होती है। रही सामाजिक संस्थाएं तो उनकी चेष्टाएं सरकार से जमीन लेने, विधायक या सांसद निधि से उसपर भवन बनवाने और सम्मान समारोहों के आयोजन तक सीमित है। किसी के पारिवारिक मामलों में दखल देने से वो दूर ही रहती हैं। इसलिए अब वही हो रहा है जो लाजिमी है। एक घटना कांकेर जिले के पखांजूर थाना क्षेत्र के बैकुंठपुर से सामने आई है। बेटा नशे के लिए माता-पिता से प्रतिदिन मारपीट कर उनकी कमाई छीन लेता था। परेशान होकर एक दिन माता-पिता ने तब उसकी हत्या कर दी जब वह नशे में बेसुध पड़ा हुआ था। ऐसे माता-पिता को आप कलियुगी मां-बाप कहो, हैवान कहो या शैतान इससे स्थिति पर धेले भर का फर्क नहीं पड़ता। जिसे कोख में पाला है, गोद में खिलाया है उसे मारने के लिए कैसी मजबूरी की जरूरत होती होगी, इसका असंवेदनशील समाज अंदाजा भी नहीं लगा सकता। कथावाचक सरकार, दिशाहीन पुलिस और निकम्मा समाज होगा तो फैसले इसी तरह सुनाए जाएंगे।

संपादकीय

जागे समाज

महिलाओं के शोषण की घटनाएं जितनी दुखद हैं, उतनी ही शर्मनाक भी। कोलकाता में एक चिकित्सक के यौन उत्पीड़न और हत्या का मामला इतना गंभीर हो उठा है कि सर्वोच्च न्यायालय को स्वत: संज्ञान लेना पड़ा। यह बहुत अफसोसजनक है कि महिला शोषण के मामले में भी नेता राजनीति की गुंजाइश खोज लेते हैं। चिकित्सकों का प्रदर्शन लगातार जारी है और सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के एक सांसद ने तो प्रदर्शनकारी चिकित्सकों को एक तरह से धमकाया है।

> पश्चिम बंगाल में तृणमूल की सरकार है और वहां चिकित्सकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना उसकी प्राथमिकता होनी चाहिए, पर वह क्या कर रही है? ऐसी स्थिति में सर्वोच्च न्यायालय का हस्तक्षेप जरूरी और स्वागतयोग्य है। जो लोग अभी भी लीपापोती में जुटे हैं, उन्हें अपनी गैर-कानूनी हरकतों से बाज आना चाहिए। जिस तरह का व्यवहार कुछ अधिकारी या नेता अभी दिखा रहे हैं, ऐसे व्यवहारों की वजह से ही देश में प्रति घंटे चार से ज्यादा महिलाओं का यौन शोषण होता है। शोषण के पक्ष में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से खड़े होने वाले नेता अपराधियों से भी बड़े अपराधी हैं।

महिला शोषण के ऐसे मामलों से देश का कोई राज्य अछूता नहीं है। बच्ची से लेकर बुजुर्ग महिला तक और घर से लेकर बस स्टैंड तक, कोई ऐसी जगह नहीं है, जहां महिलाएं चैन की सांस ले सकें। आप मामले गिनते चले जाइए। उत्तराखंड पुलिस ने रविवार को देहरादून में अंतरराज्यीय बस टर्मिनल पर सरकारी बस में एक किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया। यह किशोरी लाचार होकर घर से भागी थी, उसके साथ संवेदनापूर्ण व्यवहार होना चाहिए था, पर वह उन दरिंदों के चंगुल में फंस गई। इसी तरह, बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में 14 वर्षीय दलित लड़की को अपराधियों ने घर से ही उठा लिया और बाद में परिजन को उसकी लाश मिली। उधर, तमिलनाडु के कृष्णागिरी में फर्जी एनसीसी कैंप में 13 लड़कियों का यौन शोषण हुआ, जिसमें स्कूल के प्रिंसिपल समेत 11 आरोपी शामिल थे। जोधपुर में एक अपराधी तीन साल की मासूम को ही उठा ले गया। अपराध के ऐसे मामलों को आप गिनने लगिए, तो मन गहरी घृणा, क्षोभ और रोष से भर जाता है। ये कैसे अपराधी हैं, जिन्हें न कानून की चिंता है, न धर्म की और न लोकलाज की? असंख्य लोगों की आंखों का पानी ऐसे मर गया है कि छोटी-छोटी अबोध बच्चियों पर शामत आई हुई है।

हमें पूरी गंभीरता से विचार करना होगा। महिला संबंधी कानून कड़े कर दिए गए हैं, पर कड़े कानूनों के बावजूद शोषण का अंत क्यों नहीं हो रहा है? एक तथ्य यह भी है कि दुष्कर्म के 95 प्रतिशत मामलों में दोषी कोई परिचित ही होता है। कानून-व्यवस्था सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है, पर महिला सुरक्षा की प्राथमिक जिम्मेदारी समाज की होती है। यहां गांधी जी का कथन याद आता है, उन्होंने इशारा किया था कि केवल सरकार के भरोसे मत रहना। मतलब, हमें नए सिरे से विचार करना होगा। कहीं न कहीं हमने घरों और स्कूलों में सिखाया है कि अपने काम से काम रखो। पुलिस और कानून-व्यवस्था की दूसरी एजेंसियों ने भी लोगों को यही संदेश दिया कि लोग अपने काम से काम रखें। काम से काम रखने का स्वार्थ समाज में इस तरह से बढ़ा है कि अपनत्व दूर की बात, लोकलाज का भय भी कमजोर पड़ गया है। समय आ गया है कि महिला शोषण रोकने व एक संवेदनशील समाज बनाने के लिए युद्ध स्तर पर प्रयास किए जाएं।

बाघों की बढ़ती संख्या और घटते रहवास: चिंता का विषय...

विधु दुबे

भारत में बाघों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि देखी जा रही है, जो संरक्षण प्रयासों की एक बड़ी सफलता मानी जा सकती है। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) और कई गैर-सरकारी संगठनों के सतत प्रयासों के कारण बाघों की संख्या में वृद्धि हुई है। जहां एक ओर यह खबर उत्साहजनक है, वहीं दूसरी ओर, बाघों के रहवास (वासस्थान) की कमी चिंता का विषय बनती जा रही है।

बाघों की संख्या में वृद्धि: भारत में बाघों की संख्या पिछले कुछ दशकों में तेजी से बढ़ी है। वर्ष 2018 में जारी की गई ऑल इंडिया टाइगर एस्टिमेशन रिपोर्ट के अनुसार, भारत में बाघों की संख्या 2,967 हो गई थी, जो 2014 के मुकाबले 33 फीसदी अधिक थी। वहीं 2022 में यह आंकड़ बढ़कर 3,682 हो गया है। यह आंकड़ा दर्शाता है कि भारत बाघ संरक्षण के प्रयासों में सफल रहा है। सरकार द्वारा बाघ अभयारण्यों के विकास, शिकार पर कड़े प्रतिबंध और स्थानीय समुदायों के साथ समन्वय ने इस वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

घटता रहवास: एक गंभीर समस्या: बाघों की संख्या में वृद्धि के साथ ही उनका प्राकृतिक रहवास तेजी से घट रहा है। वनों की अंधाधुंध कटाई, शहरीकरण, और औद्योगिकीकरण ने बाघों के प्राकृतिक आवास को संकुचित कर दिया है। इसके परिणामस्वरूप, बाघों को अपने रहवास से बाहर निकलने के लिए मजबूर होना पड़ता है, जिससे मानव-बाघ संघर्ष की घटनाएं बढ़ रही हैं। जंगलों के बीच में सड़कें, रेलवे लाइनें और अन्य बुनियादी ढांचे का निर्माण बाघों के आवास को खंडित कर रहा है, जिससे उनका स्वतंत्र रूप से विचरण करना कठिन हो गया है।

मानव-बाघ संघर्ष: रहवास के घटने से बाघों का मानव बस्तियों की ओर रुख करना भी बढ़ रहा है। यह न केवल बाघों के लिए खतरनाक है, बल्कि मानव जीवन और संपत्ति के लिए भी गंभीर खतरा उत्पन्न करता है। किसानों की फसलें और पालतू जानवरों पर बाघों के हमले की घटनाएं बढ़ रही हैं, जिससे ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोग बाघों के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने लगे हैं। परिणाम स्वरूप, बाघों की सुरक्षा के लिए उठाए गए कदम और संरक्षण के प्रयास बाधित हो सकते हैं।

संरक्षण के लिए आगे की राह: बाघों के संरक्षण के लिए हमें न केवल उनकी संख्या बढ़ाने पर ध्यान देना होगा, बल्कि उनके प्राकृतिक रहवास को भी सुरक्षित और संरक्षित रखना होगा। इसके लिए निम्नलिखित कदम उठाने की आवश्यकता है: वन क्षेत्रों का विस्तार और पुनर्वास: वनों के संरक्षण और विस्तार पर जोर देना आवश्यक है। बाघों के प्राकृतिक आवास को पुनर्जीवित करना और वन्यजीव गलियारे (वाइल्डलाइफ कॉरिडोर) बनाना महत्वपूर्ण होगा। स्थानीय समुदायों के साथ समन्वय: ग्रामीण समुदायों को बाघ संरक्षण के लाभों के बारे में जागरूक करना और उन्हें इस प्रक्रिया में शामिल करना जरूरी है। सरकार को इन्हें वैकल्पिक आजीविका के साधन प्रदान करने चाहिए ताकि वे जंगलों पर निर्भरता कम कर सकें।

मानव-बाघ संघर्ष प्रबंधन: मानव-बाघ संघर्ष को कम करने के लिए प्रभावी रणनीतियां बनानी होंगी। इसके तहत सुरक्षित बाड़ों का निर्माण, घनी आबादी वाले क्षेत्रों से बाघों का स्थानांतरण, और प्रभावित लोगों को मुआवजा देने जैसी नीतियां शामिल की जा सकती हैं।

प्रौद्योगिकी का उपयोग: आधुनिक तकनीकों जैसे ड्रोन और कैमरा ट्रैप का उपयोग करके बाघों की गतिविधियों पर निगरानी रखी जा सकती है। इससे उनके व्यवहार को समझने और समय रहते उपाय करने में मदद मिलेगी। बाघों की संख्या में वृद्धि एक सराहनीय उपलब्धि है, लेकिन इसके साथ-साथ उनके रहवास की सुरक्षा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। हमें संतुलित और दीर्घकालिक समाधान की ओर बढ़ना होगा ताकि बाघों की बढ़ती संख्या और उनका प्राकृतिक आवास दोनों ही संरक्षित रह सकें। इससे ही हम आने वाली पीढ़ियों के लिए बाघों को बचा सकेंगे और उनके साथ प्रकृति का संतुलन बनाए रख सकेंगे।

(ये लेखक के विचार हैं)

नजरिया

जुल्म के खिलाफ जोर से बोला जाए

नौ अगस्त को कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में एक जूनियर डॉक्टर के साथ जो नृशंस अपराध हुआ और जिस जघन्य अंदाज से बलात्कार के बाद उसकी हत्या की गई, वह किसी भी सभ्य समाज को झकझोर देने के लिए पर्याप्त था।

विभूति नारायण राय,
पूर्व आईपीएस अधिकारी

अपराध रात के अंधेरे में किसी वक्त तीसरी मंजिल स्थित सेमिनार हॉल में हुआ और बाद में किए गए पोस्टमार्टम की अपुष्ट रिपोर्ट के अनुसार, उसके साथ कई लोगों द्वारा बलात्कार किया गया था। इस दौरान हत्यारे ने उसके शरीर के साथ काफी नोच-खसोट की थी । शरीर पर पड़े ये घाव नंगी आंखों से ही किसी को भी दिख सकते थे, पर नहीं दिखे, तो कॉलेज के प्रशासकों को, जिन्होंने मृत डॉक्टर के परिवार को सुबह फोन करके यह बताया था कि उसने कॉलेज परिसर में आत्महत्या कर ली है। जब परिवारी जन भागते हुए परिसर में पहुंचे, तो उन्हें घंटों मृत शरीर को नहीं देखने दिया गया। अस्त-व्यस्त कपड़ों में क्षत-विक्षत और जगह-जगह से खून बह रहे उस शरीर को देखकर उनके मन में रत्ती भर भी शक नहीं रहा कि उनकी बेटी ने आत्महत्या नहीं की है, बल्कि उसकी हत्या हुई है और वह भी क्रूरतम तरीकों से। कॉलेज प्रशासकों ने तब भी कोशिश की कि परिजन मान लें कि यह आत्महत्या का मामला है, हत्या का नहीं।

हत्या की खबर फैलते ही कोलकाता और पश्चिम बंगाल के विभिन्न जिलों से होता हुआ आक्रोश पूरे देश में फैल गया है। इस बार यह सिर्फ डॉक्टरों की सुरक्षा का मसला नहीं रह गया है, इसके बहाने चिकित्सा शिक्षा से जुड़े अन्य मुद्दों के साथ-साथ पूरे तंत्र की सड़न भी विमर्श के केंद्र में आ गई है। जिस तरह से कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष को घटना पर भड़के आक्रोश के बाद पहले कॉलेज से हटाकर प्रतीक्षा सूची में रखा गया और फिर कुछ ही घंटों में उन्हें शहर के एक दूसरे मेडिकल कॉलेज का प्रधान बना दिया गया, उससे शासन के गलियारों में उसकी पहुंच स्पष्ट हो गई। हाईकोर्ट के आदेश से उनको पद से हटाया गया। जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा काम यह हुआ कि घटना के कुछ ही घंटे बाद कॉलेज भवन पर एक अराजक भीड़ द्वारा हमला हुआ और तोड़फोड़ की गई। उनका मुख्य निशाना वह सेमिनार रूम था, जहां वारदात हुई थी और स्पष्ट था कि दंगाई घटनास्थल पर सुबूतों के साथ छेड़छाड़ करना चाहते थे। जिन लोगों को सीसीटीवी कैमरों के फुटेज के आधार पर गिरफ्तार किया गया था, वे मुख्य रूप से सत्तारूढ़ दल के सदस्य निकले। इस घटना के पहले भी जब संदीप घोष को प्रधानाचार्य पद से हटाया गया था, तब इसी तरह से उन्होंने गुंडों की मदद से अपने उत्तराधिकारी को पदभार ग्रहण नहीं करने दिया था और अपना तबादला निरस्त कराकर वापस कुर्सी पर आ बैठे थे। क्या ये उदाहरण काफी नहीं हैं भ्रष्टाचार, सत्ता और अपराध के बीच के गठजोड़ को समझने के लिए?

भारतीय राजनीति और समाज तंत्र में सड़ांध पैदा करने वाले इस गठबंधन के खिलाफ पूरे देश में आक्रोश उबाल पर है, पर क्या इससे कोई स्थायी या बुनियादी फर्क पड़ेगा? राजनीति के विद्रूप को और बेहतर किस बात से समझा जा सकता है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस भी मांग कर रही हैं कि दोषी को कठोरतम सजा दी जाए। यह जनता की कमअक्ली ही होगी, अगर वह पूछे कि यह मांग किससे की जा रही है?

इस समय देश का राजनीतिक मानचित्र ऐसा है कि हर बड़ा राष्ट्रीय या क्षेत्रीय दल किसी न किसी क्षेत्र में सत्ता पर या तो काबिज है या काबिज रह चुका है। इस विडंबना को क्या कहेंगे कि लगभग हरके प्रदेश में और हरेक दल की सरकार में सत्ता, अपराध और भ्रष्टाचार का यह त्रिकोण फलता-फूलता रहा है। इस बार मैंने देखा कि मुख्यधारा या सोशल मीडिया पर कोलकाता की घटना पर बहस करते समय विश्लेषकों ने सुविधा के अनुसार, अपनी भूमिका तय कर रखी है। बहुत लोगों ने इस जघन्य घटना की गंभीरता को यह कहकर कम करने की कोशिश की है कि अला साल में फलां प्रदेश में भी तो ऐसी ही या इससे भी बुरी घटना हुई थी, तो हमें कोलकाता के पहले उसका जिक्र करना चाहिए। इस प्रवृत्ति के लिए मुझे अपनी भाषा में कोई सटीक शब्द नहीं मिल रहा, पर अंग्रेजी में इसे सिनीसिज्म (निराशावाद) कहेंगे।

इसी तरह की एक सोच है, जो मानती है कि इस तरह के विमर्शों से कुछ होता-जाता नहीं और ऐसी दुर्घटनाएं वापस अपनी रफ्तार से या पूर्ववत घटती रहेंगी। यह दूसरी तरह का सिनीसिज्म है। बोलते रहने और जोर-जोर से बोलते रहने से क्या फर्क पड़ सकता है, इसका अनुभव हमें कुछ वर्षों पूर्व निर्भया मामले में हुआ था, जब इसी तरह एक लड़की के साथ बलात्कार व बर्बर हत्या की घटना हुई और पूरे देश में उबाल आ गया। उसका एक परिणाम तो कानूनों और प्रक्रियाओं में हुए व्यापक बदलावों में तो दिखा ही, उससे भी बड़ा फर्क समाज में मूल्यों के स्तर पर देखने को मिला। अब पहले से कहीं ज्यादा मां-बाप या परिवार पीड़िता के साथ खड़े दिखने लगे हैं। वे उसे ही दोषी ठहराकर और बदनामी के डर से चुप रहने को नहीं कहते, साथ ही, लड़कियां भी ज्यादा हिम्मत के साथ खुलकर अपने साथ हुई ज्यादती की शिकायत करती दिखती हैं। परिवार और पड़ोस के साथ पुलिस, न्यायपालिका या पत्रकारिता की दुनिया में भी सकारात्मक परिवर्तन हुए हैं। इन्हें कोई छोटा-मोटा परिवर्तन नहीं माना जा सकता।

निराशा फैलाने वाले लोग निरुत्साहित करने की कोशिश कर सकते हैं, मगर हमें जोर-जोर से बोलते रहना चाहिए। इस बार की पीड़िता सिर्फ एक मनोरोगी द्वारा नहीं सताई गई है। इस बार उसके खिलाफ ज्यादती-अपराध, भ्रष्टाचार और राजनीति की तिगड़ी ने की है, तो लड़ाई भी इसी तिगड़ी के खिलाफ होनी चाहिए। यह सोचकर कि आवाज उठाने से कुछ होता-जाता नहीं या दूसरे दलों की सरकारों के समय भी तो यही सब होता रहता है, अगर हम चुप रह गए, तो यह तिगड़ी लगातार बनी रहेगी।

इस घटना के बहाने हमें उस भ्रष्टाचार पर भी बात करनी चाहिए, जो हमारे स्वास्थ्य तंत्र में विष की तरह फैला हुआ है। स्वास्थ्य को बाजार के हवाले छोड़ देने का ही फल हाल के नीट की परीक्षा में दिखा, जब लूट में हिस्सा हासिल करने को आतुर लोग पचास लाख तक खर्च करके मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश की कोशिश कर रहे थे। इन सारी प्रवृत्तियों के खिलाफ बोलने और जोर-जोर से बोलने की जरूरत है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

ग्रामीण भारत को सशक्त करें

रामबहादुर राय

स्वतंत्रता की जो परिकल्पना स्वाधीनता सेनानियों की थी, उसमें स्वतंत्रता प्रति के बाद भारी भटकाव हुआ, ऐसा मुझे लगता है। उस परिकल्पना के मूल में यह बात थी कि भारत जब स्वतंत्र होगा, तो वह अपनी व्यवस्थाएं लागू करेगा, जैसा समाज हमारा पहले था, उसकी नींव पर देश अपना पुनर्निर्माण, नवनिर्माण करेगा। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से जो प्रधानमंत्री आये, उनके इरादे नेक थे, लेकिन ज्यादातर प्रधानमंत्री भटके हुए थे। यह भटकाव दरअसल समझ का है। मेरे ऐसा कहने का अर्थ यह है कि चाहे वह 1905 से 1908 तक का दौर हो या 1920 से 1947 तक का दौर हो, यही वे दो दौर हैं, जब भारत की स्वतंत्रता की परिकल्पना की गयी थी।

वर्ष 1905 में नौ अगस्त को चार व्यक्ति- बाल गंगाधर तिलक, लाला लाजपत राय, अरविंदो और रवींद्रनाथ ठाकुर- कोलकाता में एकत्र हुए थे। उन्होंने स्वदेशी का प्रारंभ किया। साल 1920 में जब गांधी जी ने कांग्रेस का नेतृत्व संभाला, तो उन्होंने जो विधान कांग्रेस के लिए बनाया, उसमें खादी था, चरखा था, यानी स्वदेशी आयाम था। उसका बड़ा असर ब्रिटेन की कंपनियों पर पड़ा। परंतु आजादी के बाद हमने जो रास्ता चुना, उसमें औपनिवेशिक शासन व्यवस्था को ही चलाये रखा और कोई बड़ा परिवर्तन नहीं किया। हालांकि पहले और दूसरे प्रशासनिक सुधार आयोग ने अच्छा काम किया था और उन्होंने जो सुझाव दिये हैं, उनको अगर सरकारों ने स्वीकार कर उन पर अमल किया होता, तो भी कुछ सार्थक परिवर्तन हो सकता था।

चाहे भ्रष्टाचार की समस्या हो या चुनाव का बड़ा भारी खर्च हो, अमीरी और गरीबी की चौड़ी खाई हो, क्षेत्रीय विषमता हो, दलित एवं आदिवासी अपने को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं, यह मसला हो, सीमा की सुरक्षा का विषय हो, ऐसी तमाम समस्याएं एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं, ऐसा मेरा मानना है। भारत के पास प्रचुर मात्रा में प्राकृतिक संसाधन हैं, मनुष्य की बड़ी शक्ति है, प्रतिभा है, यह सब होने पर भी इन सबका लाभ बाहर के लोगों को मिल रहा है। हमें स्वतंत्रता मिली थी देशभक्ति और बलिदान के बल पर. इसका ठीक उल्टा उदाहरण हमें देखने को मिल रहा है। पिछले दिनों राज्यसभा में सरकार ने जानकारी दी है कि 2023 तक लगभग ढाई लाख लोगों ने भारत की नागरिकता छोड़ दी है। इसका मतलब यह है कि जिन लोगों ने नागरिकता छोड़ी है, उन्हें भगाया नहीं गया है, उनका दमन नहीं हुआ है, वे बड़े संपन्न लोग हैं। वे भारत को छोड़ कर ऐसे 'टैक्स हेवन' देशों में गये हैं, जहां वे अपनी कमाई और कई गुना बढ़ा सकते हैं।

स्वतंत्रता की सौवीं वर्षगांठ 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प उत्साहजनक है, श्रेष्ठ है. पर यहां प्रश्न यह है कि क्या हम उस लक्ष्य की ओर पूरे तन-मन से आगे बढ़ रहे हैं। शासन जिनको चलाना है, यानी शासन तंत्र, यहां मैं राजनीतिक नेतृत्व की बात नहीं कर रहा हूं, का स्वभाव, रंग-ढंग, आम लोगों के प्रति उसका रवैया सही नहीं है। जब तक शासन तंत्र को पूरी तरह जवाबदेह नहीं बनाया जाता, तब तक हम लक्ष्य चाहे जो रखें, उस लक्ष्य को हासिल करने में बड़ी कठिनाइयां आयेंगी। प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने गांधी का रास्ता छोड़ दिया, जिसके कारण कई तरह की विपदा भारत पर आयी है और आगे भी आती रहेगी। यह समस्या के मूल में है. गांधी जी चाहते थे कि ग्राम स्वराज की व्यवस्था स्थापित हो। इस संबंध में मैंने जितना भी पढ़ा-लिखा है, उसके आधार पर मेरा यह स्पष्ट मत है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 के लिए एक ऊंचा लक्ष्य रखा है, वह प्रेरक है, इसमें कोई दो राय नहीं है। लेकिन सवाल है कि यह हासिल कैसे होगा. इसके लिए मुझे एक ही मंत्र का पता है। यह लक्ष्य तब हासिल होगा, जब भारत में गांव आत्मनिर्भर बनेंगे, गांव खुशहाल बनेंगे, गांव के हाथ में सत्ता आयेगी और वे अपना निर्णय स्वयं कर सकेंगे।

इस दिशा में देर से सही, पर एक अच्छा कदम नब्बे के दशक के शुरू में भारत सरकार ने उठाया। वह कदम था संविधान में 73वां और 74वां संशोधन करना। इससे पंचायती राज कायम करने में जो कमी रह गयी थी, वह दूर हुई। आज जो जरूरत है, वह यह है कि 73वें संविधान संशोधन का एक ठोस मूल्यांकन होना चाहिए कि क्या उससे वास्तव में गांवों को ताकत मिली है। अगर गांवों का समुचित सशक्तीकरण नहीं हो सका है, तो इस पर विचार किया जाना चाहिए कि कानून में क्या बदलाव किये जाने की जरूरत है। यह भी ध्यान देने की बात है कि यह विषय राज्यों का है। विभिन्न राज्यों में अपनी सुविधा और समझ से कानून बनाये गये हैं। राजनीतिक नेतृत्व को हम संचालन करते हुए देखते हैं, पर वास्तव में संचालन की भूमिका प्रशासन तंत्र द्वारा निभायी जाती है। प्रशासन तंत्र पंचायती राज व्यवस्था को आज भी लागू नहीं करना चाहता है। बिहार में नीतीश कुमार की सरकार ने बहुत अच्छे से पंचायती राज व्यवस्था को लागू किया है। लेकिन यह कहने का मतलब यह नहीं है कि उसने सब कुछ कर ही दिया है। कई राज्यों में अच्छा काम हो रहा है। लेकिन किसी भी राज्य में ग्राम सभा को अधिकार नहीं मिला है।

मेरा कहना है कि ग्राम सभा को अधिकार मिले, बजट मिले, कर्मचारी मिलें. उसे अपने निर्णय लेने का अधिकार मिले। जो जिलाधिकारी होता है, अगर वह जिला पंचायत के अधीन होगा, तो स्थिति बेहतर होगी। दूसरी बात सांसद निधि के संबंध में है, जो इससे जुड़ी हुई है। नरसिम्हा राव की सरकार अल्पमत की सरकार थी, तब इस सांसद निधि योजना को लाया गया था, जो वास्तव में सांसदों को एक प्रकार की रिश्वत थी। उस निधि के कारण हमारे जन-प्रतिनिधियों का चरित्र बदल गया है। लोगों की निगाह में वे संदेहास्पद हो गये हैं क्योंकि वे जिला प्रशासन और ठेकेदारों के साथ मिलकर उस धन को खर्च करते हैं। सभी लोग बहुत भ्रष्ट हैं, ऐसा मैं नहीं कह रहा हूं, पर लोगों की निगाह में सांसद निधि के कारण जन-प्रतिनिधियों की छवि खराब हुई है, जबकि एक दौर था, जब लोग उन्हें बड़े सम्मान से देखा करते थे। यह सांसद निधि पंचायतों में खर्च होती है, तो क्यों नहीं इस योजना को बंद कर यही धन सीधे ग्राम पंचायतों को दे दिया जाए। यदि इतनी-सी बात पर ध्यान दिया जाए, तो उत्साहजनक वातावरण बनेगा. यह देश के विकास के लिए बहुत आवश्यक है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

भारतीय कृषि का अमृतकाल

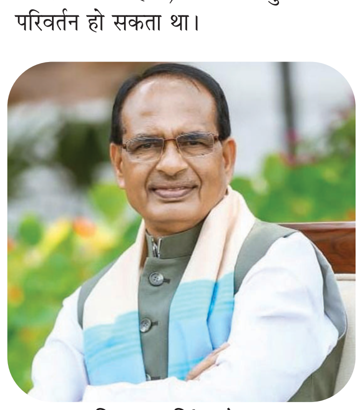

शिवराज सिंह चौहान

कृषि विकास और किसान कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। अन्न के माध्यम से हमारे जीवन संचालन के सूत्रधार अन्नदाता के जीवन में सुख-समृद्धि लाना हमारा संकल्प है। इस संकल्प की पूर्ति के लिए हम हरसंभव प्रयास करेंगे। किसान की आय बढ़ाने के लिए हमने छह सूत्रीय रणनीति बनाई है। उत्पादन बढ़ाना, खेती की लागत घटाना, उत्पादन के ठीक दाम दिलाना, प्राकृतिक आपदा में राहत की उचित राशि दिलाना, कृषि का विविधीकरण तथा प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना इसके अहम पहलू हैं। उत्पादन बढ़ाने और लागत घटाने के लिए सबसे जरूरी हैं अच्छे बीज, जो कम पानी और विपरीत मौसम में भी बेहतर उत्पादन में सक्षम हो सकें। ऐसे बीजों की 109 नई किस्मों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्र और किसानों को समर्पित किया है।

बीते 10 वर्षों में कृषि परिदृश्य तेजी से बदला है। ग्लोबल वार्मिंग तथा पर्यावरण असंतुलन जैसी समस्याओं के बीच उत्पादकता बढ़ाने की चुनौती खड़ी हो गई है। इस चुनौती से निपटने के लिए अगले पांच वर्षों में हमारा लक्ष्य जलवायु अनुकूल फसलों की 1500 नई किस्में तैयार करने का है। वर्तमान में विज्ञान से ही किसानों का कल्याण संभव है। मुझे अपने कृषि विज्ञानियों पर गर्व है जो जलवायु अनुकूल किस्में तैयार कर रहे हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि कृषि में किए जा रहे नवाचारों से कृषि एवं किसान कल्याण सुनिश्चित होगा।

किसान होने के नाते मैं भलीभांति समझता हूं कि बढ़िया उत्पादन के लिए अच्छे बीज कितने आवश्यक हैं। अगर बीज उन्नत और मिट्टी एवं मौसम की प्रकृति के अनुकूल होंगे तो उत्पादन में अभूतपूर्व वृद्धि होगी। मोदी ने यह समझा और व्यापक विजन के साथ इस दिशा में कार्य करने के लिए मार्गदर्शित किया। विविधता भारतीय कृषि की विशेषता है। यहां कुछ दूरी के अंतराल पर ही खेती का मिजाज बदल जाता है। जैसे मैदानी खेती अलग है तो पहाड़ों की खेती अलग। इन सभी भिन्नताओं और विविधताओं को ध्यान में रखते हुए फसलों की 109 नई किस्में जारी की गई हैं। इनमें खेती की 69 किस्में और बागवानी की 40 किस्में राष्ट्र को समर्पित कर दी गई हैं। भारत को ग्लोबल न्यूट्रिशन हब बनाने और श्रीअन्न को प्रोत्साहित करने के लिए मोदी सरकार पूरी तरह संकल्पबद्ध है।

हमारा संकल्प है कि किसान के परिश्रम का उचित मूल्यांकन हो और उन्हें फसलों का उचित दाम मिले, इसके लिए हम न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद कर रहे हैं। किसानों की आय बढ़ाना हमारी प्राथमिकता में है और उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ भारत की चिंता भी रही है कि मानव शरीर और मिट्टी के स्वास्थ्य के लिए सुरक्षित उत्पादन हो। आज भारत नई हरित क्रांति का साक्षी बन रहा है। हमारे अन्नदाता ऊर्जादाता तथा ईंधनदाता भी बन रहे हैं। मोदी के प्रयासों से खेती के साथ ही पशुपालन, मधुमक्खी पालन, औषधीय खेती, फूलों-फलों की खेती सहित अन्य संबंधित क्षेत्रों को सशक्त बनाया जा रहा है।

पूर्ववर्ती सरकारों की प्राथमिकता में कृषि और किसान रहे ही नहीं। जबकि मोदी के नेतृत्व में कृषि क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हुई है। वर्ष 2013-14 में कृषि मंत्रालय का बजट 27 हजार 663 करोड़ रुपये था जो 2024-25 में बढ़कर 1 लाख 32 हजार 470 करोड़ रुपये हो गया है। यह बजट सिर्फ कृषि विभाग का है। कृषि से संबद्ध क्षेत्रों और फर्टिलाइजर सब्सिडी के लिए अलग बजट है। मोदी सरकार किसानों को यूरिया और डीएपी सस्ती दरों पर उपलब्ध करा रही है। यूरिया पर सरकार किसानों को करीब 2,100 रुपये सब्सिडी जबकि डीएपी के एक बैग पर 1083 रुपये की सब्सिडी दी जा रही है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से किसान स्वावलंबी और सशक्त हुआ है। फसलों के नुकसान पर भी फसल बीमा योजना किसानों के लिए एक सुरक्षा कवच है।

मोदी सरकार में किसान को सशक्त बनाने के लिए बीज से लेकर बाजार तक हर वह फैसला लिया, जो किसानों के लिए खेती को और आसान बनाए। उनकी मुश्किलें कम करे और मुनाफा बढ़ाए। इसी कड़ी में एक लाख करोड़ रुपये की एग्री इन्फ्रा फंड के जरिये कृषि से जुड़ा बुनियादी ढांचा विकसित किया जा रहा है। पूरे देश में 700 से अधिक कृषि विज्ञान केंद्र किसान और विज्ञान को जोड़ रहे हैं। नमो ड्रोन दीदी योजना के जरिये टेक्नोलाजी से दूरदराज की हमारी माताओं-बहनों को भी जोड़ा जा रहा है। कृषि सखियों को प्रशिक्षण देने के पहले चरण में अब तक 35 हजार कृषि सखियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

मोदी का विजन है कि भारत कृषि में आत्मनिर्भर बने। इस दिशा में भी रणनीति बनाकर कार्य किया जा रहा है। अगले पांच वर्षों में हम 18,000 करोड़ रुपये की लागत से 100 निर्यात केंद्रित बागवानी क्लस्टर बनाएंगे। किसानों के लिए मंडी तक पहुंच बेहतर बनाने के लिए 1500 से अधिक मंडियों का एकीकरण किया जाएगा। साथ ही 6,800 करोड़ रुपये की लागत से तिलहन मिशन की शुरुआत कर रहे हैं। सब्जी उत्पादन क्लस्टर बनाने की भी तैयारी है। इससे छोटे किसानों को सब्जियों-फल और अन्य उपज के लिए नए बाजार और बेहतर दाम मिलेंगे। सरकार ने यह संकल्प भी लिया है कि दलहन फसलों में तुअर, उड़द और मसूर की पूरी खरीद एमएसपी पर की जाएगी।

यजुर्वेद में उल्लिखित है 'अन्नानां पतये नम: क्षेत्राणां पतये नम:' अर्थात अन्न के स्वामी और खेतों के स्वामी अन्नदाताओं को नमन। कृषि पराशर में भी उल्लेख है - अन्न ही प्राण है, अन्न ही बल है एवं अन्न ही समस्त प्रयोजनों का साधन है। किसानों के बिना इस देश का अस्तित्व ही अधूरा है। इसलिए हमारे प्राचीन शास्त्रों में भी किसानों को प्रणाम किया गया है। कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसान उसका आत्मा। हमारे लिए किसान की सेवा भगवान की पूजा है। आज प्रधानमंत्री मोदी के दीर्घकालिक विजन तथा सर्वांगीण, सर्वस्पर्शी, समावेशी और समग्र विकास वाले सोच के साथ भारत एवं भारतीय कृषि निरंतर आगे बढ़ रही है और मुझे पूरा विश्वास है कि हमारे किसान भाई-बहन आजादी के अमृतकाल में आत्मनिर्भर भी बनेंगे और समृद्ध संपन्न होने के साथ-साथ देश के अन्न भंडार भरते रहेंगे ।

(लेखक भारत सरकार में कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री है)

रमन (प्रा.) आई.टी.आई.
Recognised by: NCVT & DGT NEW DELHI, GOVT. OF INDIA
COPA
कोपा
STENOGRAPHER (Hindi)
स्टेनोग्राफर (हिन्दी)

योग्यता 10वीं उत्तीर्ण
(एक वर्षीय पाठ्यक्रम) - प्रवेश प्रारंभ
प्रवेश लेने पर फीस में विशेष छूट एवं फीस मासिक किस्तों में
शासन द्वारा प्रदत्त छात्रवृत्ति योजना
Raman I.T.I. : बाबा दीप सिंह नगर (वैशालीनगर), भिलाई, जिला-दुर्ग, छ.ग.
Call : 0788-4033571, 7389471941, 0788-4903573 4903572, 7773027492

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

ITR फाईल बनवाएं मात्र 499/-
• TDS रिफंड • GST रजिस्ट्रेशन • इनकम TAX फाइल
• प्रोजेक्ट रिपोर्ट • MSME रजिस्ट्रेशन • GST रिटर्न फाइल
• CMA DATE • फूड लाइसेंस • BALANCE SHEET
हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं
संपर्क : शेखर गुप्ता, मो. 93007-55544, 8878655544
D-6 सेक्टर-2, गुरुद्वारा के सामने देवेन्द्र नगर रायपुर

खास खबर

आकाशगंगा सब्जी मंडी से कचरा संग्रहण पॉइंट हटाया गया अब व्यापारियों की बारी

भिलाई। आकाशगंगा गंगा थोक सब्जी मंडी से कचरा संग्रहण का पॉइंट था। उसको हटाने के लिए शिकायत मिल रही थी, इसे नगर निगम ने हटा दिया है। आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव के निर्देश पर अब उसके जगह पर वहां पर एक ट्राली रखी गई है। व्यापारी अपने दुकानों से निकलने वाली सब्जी के कचरे को उसे ट्राली में डालेंगे। जिसे निगम की गाड़ी दो टाइम सुबह 11:00 से 12:00 बजे शाम को 4:00 से 5:00 बजे के बीच में लेकर जाएगी और उसका खाद बनाया जाएगा। अब व्यापारी कहीं इधर.उधर कचरा फेंकेंगे तो, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। जोन स्वास्थ्य अधिकारी अंकित सक्सेना जाकर व्यापारियों के पदाधिकारी से बात किया। उनको समझाइश दी की सुबह भीड़ रहता है गाड़ी लोडिंग अनलोडिंग होता है। इसलिए रिक्शा प्रत्येक दुकान के सामने नहीं आ सकता है। दोपहर के समय एक बार नगर निगम का रिक्शा प्रत्येक दुकान पर जाएगा आप अपना कचरा उसे रिक्शा में डालें, बाकी कचरे को रखी हुई ट्राली में डालें अब कोई इधर.उधर फेंकेगा तो उसके खिलाफचनानी कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम भिलाई सहयोग कर रहा है व्यापारी भी सहयोग करें। सब्जी मंडी को साफ रखने की जिम्मेदारी दोनों पक्षों की है। व्यापारी भी सहमत हुए हैं।

कृषि विज्ञान केन्द्र की स्वर्ण जयंती वर्ष के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन

दुर्ग। कृषि विज्ञान केन्द्र पाहंदा (अ) दुर्ग द्वारा 20 अगस्त 2024 को कृषि विज्ञान केन्द्र के स्वर्ण जयंती वर्ष पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. विजय जैन ने बताया कि वर्तमान में देश में 731 कृषि विज्ञान केन्द्र किसानों के आय में वृद्धि हेतु निरंतर कार्य कर रहे है। भारत में पहला कृषि विज्ञान केन्द्र भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् द्वारा 21 मार्च 1974 को पुडुचेरी में किया गया था। छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में 27 कृषि विज्ञान केन्द्र स्थापित किये गये। दुर्ग जिले में कृषि विज्ञान केन्द्र पाहंदा (अ) दुर्ग की स्थापना वर्ष मार्च 2017 में हुई है। कृषि विज्ञान केन्द्र पाहंदा (अ) दुर्ग द्वारा प्रमाणिक जैविक खेती को बढ़ावा देने, धान फसल उत्पादन में लागत कम करने हेतु विभिन्न तकनीकों, महिला सशक्तीकरण, उद्यानिकी फसलों को बढ़ावा, आय के अतिरिक्त साधन के रूप में बटेर पालन, मशरूम उत्पादन आदि को लघु उद्योग के रूप में स्थापित कर जिले के कृषकों के आय में वृद्धि हेतु प्रयास किया जा रहा है।

22 ग्रामीणों ने उठाया बीएसपी सीएसआर द्वारा आयोजित निःशुल्क चिकित्सा शिविर का लाभ

भिलाई। सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र के तत्वाधान में निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग (सीएसआर) द्वारा निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन अपने आस–पास के परिधीय क्षेत्रों एवं खदान क्षेत्रों में किया जाता है। इसी कड़ी में 20 अगस्त 2024 को आदर्श इस्पात ग्राम दनिया में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। ग्राम दनिया में आयोजित चिकित्सा शिविर में डॉ एम सरस्वती, बीपी शुगर जांच हेतु रेखा देव, फार्मेसिस्ट खिलावन कुंभकार, पंजीयन हेतु मंसूर अली तथा सीएसआर विभाग से आशुतोष सोनी उपस्थित थेद्य इस शिविर में कुल 22 लोगों की जांच करके उनको दवाईयों का वितरण किया गया।

जनसमस्याओं के निराकरण और स्वच्छ सर्वेक्षण पर करें फोकस - कलेक्टर

- भारत माला परियोजना के निदेशक को किसानों की समस्याओं का समाधान करने दिये निर्देश
- 31 अगस्त तक वृक्षारोपण अभियान, लगाए जाएंगे 05 लाख पौधें
- परिवार के सभी सदस्यों का बनाये जाएंगे आयुष्मान कार्ड

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी ने आज अधिकारियों की बैठक में नगरीय निकायों में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में प्राप्त आवेदनों की निकायवार निराकरण करने की समीक्षा की। उन्होंने विद्युत, पेयजल, साफ–सफाई, नाली सफाई, सम्पत्तिकर, राशनकार्ड, आवास आदि प्राथमिकता वाले प्रकरणों को गंभीरतापूर्वक निराकरण करने के निर्देश अधिकारियों को दिये। इसी प्रकार स्वच्छ सर्वेक्षण अंतर्गत निकायों में सफाई, डोर–टू–डोर कचरा कलेक्शन, दिवाल राइटिंग, संकेतक बोर्ड, सौंदर्यीकरण, रेड स्पॉट, पब्लिक यूरीनल स्पॉट, व्यवसायिक एवं बाजार स्थलों की सफाई पर विशेष फोकस करने के निर्देश दिये।

साथ ही उल्लंघन करने वालों से जुर्माना राशि वसूली पर भी जोर देने कहा है। कलेक्टर सुश्री चौधरी ने विभागवार समय–सीमा प्रकरणों की निराकरण के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने मुख्यमंत्री जनदर्शन, जनशिकायत निवारण प्रकोष्ठ, मुख्यमंत्री अन्य पत्र, कलेक्टर जनचौपाल और सार्थ–ई पोर्टल के लंबित प्रकरणों की भी समीक्षा की। उन्होंने ई–समाधान के लंबित प्रकरण पर संबंधित एसडीएम को तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

कलेक्टर सुश्री चौधरी ने किसानों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए एनएचएआई के परियोजना निदेशक से जिले में भारत माला परियोजना के तहत कार्यों की अद्यतन जानकारी ली। उन्होंने प्रोजेक्ट अंतर्गत ग्रामीणों के कृषि डुबान एवं आवागमन संबंधी समस्याओं का सकारात्मक ढंग से समाधान करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने मानसून सत्र में विभागों को निर्धारित लक्ष्य के मुताबिक अब तक हुए वृक्षारोपण की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को अवगत कराया कि आगामी 31 अगस्त तक वृक्षारोपण कार्य पूर्ण किया जाना है। जिले में इस वर्ष 05 लाख पौध–रोपण लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अधिकारी निर्धारित अवधि तक विभागीय लक्ष्य पूर्ण करने आवश्यक पहल करें। कलेक्टर ने कहा कि शासन की मंशा अनुरूप लोगों को चिकित्सा सुविधा मुहैय्या कराने हेतु परिवार से सभी सदस्यों का आयुष्मान कार्ड बनाया जाना है। उन्होंने आयुष्मान कार्ड की अद्यतन प्रगति की जानकारी लेते हुए डोर–टू–डोर अभियान चलाकर परिवार के छूटे हुए लोगों को चिन्हांकित कर केम्प लगाकर आयुष्मान कार्ड बनाने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने मतदान केन्द्र की युक्तियुक्तकरण/मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य हेतु अधिकारी–कर्मचारियों की ड्यूटी लगाने, नशा–मुक्ति भारत अभियान हेतु निर्धारित कार्ययोजना के तहत कार्रवाई सुनिश्चित करने अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने अवगत कराया कि जिले के शासकीय स्कूलों में विद्यार्थियों का विषयवार मासिक टेस्ट आयोजित किया जा रहा है। अधिकारी क्षेत्र भ्रमण के दौरान स्कूलों का निरीक्षण कर विद्यार्थियों के मासिक टेस्ट पंजी का भी अवलोकन करना सुनिश्चित करें।

बैठक में एडीएम अरविन्द एक्का, नगर निगम भिलाई के आयुक्त देवेश ध्रुव, जिला पंचायत के सीईओ अश्वनी देवांगन, नगर निगम दुर्ग के आयुक्त लोकेश चन्द्राकर, नगर निगम रिसाली की आयुक्त श्रीमती मोनिका वर्मा, अपर कलेक्टर बी.के. दुबे, संयुक्त कलेक्टर हरवंश सिंह मिरी एवं विरेन्द्र सिंह, सभी एसडीएम, सभी जनपद सीईओ, नगर पालिका व नगर पंचायत के सभी सीएमओ एवं समस्त विभाग के जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

डीएलएमआईसी की बैठकः शहरों के वायु गुणवत्ता सुधार पर हुई चर्चा

जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आज जिला स्तरीय निगरानी एवं क्रियान्वयन समिति की बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम अंतर्गत शहरों के वायु गुणवत्ता सुधार हेतु कराये जाने वाले कार्यों के विषय में विस्तृत चर्चा की गई। समिति में दुर्ग–भिलाई शहरी समूह के सात नगरीय निकाय क्रमशः नगर निगम भिलाई, दुर्ग, रिसाली, भिलाई चरोदा, उतई, जामुल एवं कुम्हारी शामिल है। कलेक्टर चौधरी ने निकायों में वायु गुणवत्ता सुधार हेतु विगत वित्तीय वर्षों में किये गये कार्यों की भौतिक एवं वित्तीय स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने निकायों में ड्रेजिंग से उत्पन्न ठोस अपशिष्ट को तत्काल उठाने तथा नगर निगम के ड्रोन की सफाई एवं कचरा निपटान व सड़कों के गड्ढों को भरने के निर्देश दिये।

रक्षाबंधन पर जैतखाम को रक्षा सूत्र बांध विधायक रिकेश सेन ने की पूजा अर्चना

कहा- मिनी गिरोधपुरी धाम के लिए जल्द की जाएगी शुरुआत

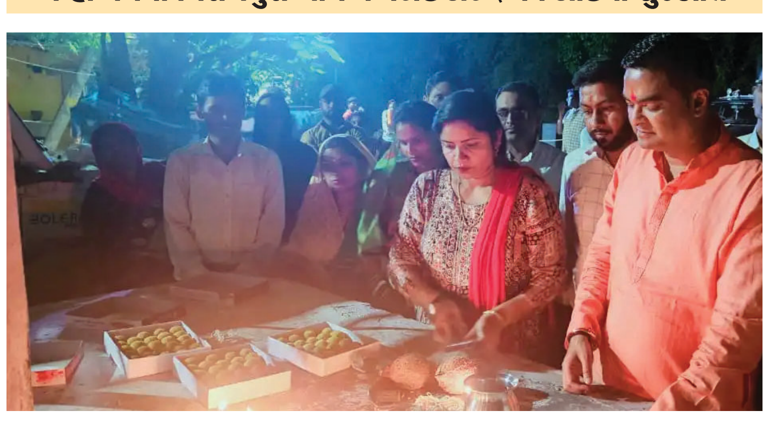

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने रक्षाबंधन पर्व की शाम नेहरू नगर रेशने आवास पहुंच जैतखाम को रक्षा सूत्र बांध बाबा की पूजा आरती की। उन्होंने कहा कि जैतखाम सतनामियों के सत्य नाम का प्रतीक और सतनाम पंथ की विजय कीर्ति को प्रदर्शित करने वाला आध्यत्मिक पताका है। आमतौर पर सतनाम समुदाय के लोगों द्वारा अपने मोहल्ले, गाँव में किसी चबूतरे या प्रमुख स्थल पर खम्बे में सफ़ेद झंडा लगा दिया जाता है जिसे जैतखाम कहा जाता है। यहाँ कई तरह के धार्मिक आयोजन किये जाते रहे हैं। इसलिए हाल ही में उन्होंने निर्णय लिया कि वैशाली नगर विधानसभा अंतर्गत लगभग सौ जैतखंभ वाले स्थलों का सौंदर्यीकरण किया जाएगा ताकि पूजा अर्चना सहित विभिन्न धार्मिक आयोजनों को बेहतर ढंग से संपादित किया जा सके। राखी के पूर्व ही एक और बड़ा निर्णय जैतखाम को लेकर वैशाली नगर में लिया गया है। छत्तीसगढ़ के गिरोधपुरी में सबसे बड़ा जैतखाम है जिसकी ऊंचाई 77 मीटर (243 फीट) है यह कुतुब मीनार से भी ऊँचा हैं लेकिन भिलाई दुर्ग के सभी वृद्धजन वहां दर्शन के लिए नहीं पहुंच पाते इसलिए वैशाली नगर में ही मिनी गिरोधपुरी धाम का निर्माण होगा और इसे तीर्थ स्थल की तरह डेवलप किया जाएगा।

विधायक रिकेश सेन ने रेशने आवास स्थित जैतखाम की पूजा अर्चना कर उसे रक्षा सूत्र बांध सामजिक सद्भाव का संदेश देते हुए कहा कि परम पूज्य घासीदास बाबा के उद्देश्य मनखे मनखे एक समान को जन–जन पहुंचाने वैशाली नगर विधानसभा में नेहरू नगर रेशने आवास से बाबा की पूजा आरती कर शुरुआत हुई है। जल्द वैशाली नगर विधानसभा के सभी जैतखंभ को व्यवस्थित कर सतनामी समाज के प्रतिनिधियों के साथ बैठक होगी जिसमें मिनी गिरोधपुरी धाम की स्थापना के स्वप्न को साकार करने चयनित जमीन पर कार्य शुरू होगा।

बीएसपी के यूनिवर्सल रेल मिल में फेज्ड ऐरे अल्ट्रासौनिक टेस्टिंग सुविधा का उद्घाटन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र के यूनिवर्सल रेल मिल में वेल्ड ज्वाइंट्स के फेज्ड ऐरे अल्ट्रासौनिक टेस्टिंग (पीएयूटी) सुविधा का उद्घाटन 16 अगस्त 2024 को संयंत्र के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता की उपस्थिति में किया गया। भिलाई इस्पात संयंत्र में इस परीक्षण के शुरुआत के साथ वेल्ड ज्वाइंट्स हेतु पीएयूटी सुविधा शुरू करने की भारतीय रेलवे की लंबे समय से लंबित आवश्यकता अब पूरी हो गई है। यह परीक्षण सुविधा आरएसएम में भी शुरू की जा रही है।

फेज्ड ऐरे अल्ट्रासौनिक परीक्षण की इस आधुनिक तकनीक का उपयोग वेल्ड ज्वाइंट्स में संभावित त्रुटियों का पता लगाने एवं छवि के रूप में उसे दर्शाने के लिए किया जाता है।

यह अत्याधुनिक तकनीक स्कैन के दौरान अनेक अल्ट्रासौनिक तत्वों और इलेक्ट्रॉनिक टाइम डिले का उपयोग करके कंस्ट्रक्टिव इंटरफेस द्वारा बीम निर्माण करती है। बीम को कई कोणों पर क्रमिक रूप से उत्सर्जित किया जाता है, जिससे पीएयूटी को वेल्ड ज्वाइंट्स की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए अधिक विस्तृत स्कैन बनाने की अनुमति मिलती है। यह परीक्षण आरडीएसओ द्वारा अनुमोदित विक्रेता मेसर्स ओबेरॉय थर्मिट द्वारा निष्पादित किया जा रहा है। वेल्ड ज्वाइंट्स के परीक्षण की यह विधि फ्लैश बट वेल्ड ज्वाइंट्स की गुणवत्ता में विश्वनीयता के स्तर में वृद्धि करेगी और भारतीय रेलवे, जो देश की रीढ़ है, के रेल नेटवर्क में सुरक्षा बढ़ाने में एक मील का पत्थर साबित होगी।

फेज्ड ऐरे अल्ट्रासौनिक टेस्टिंग (पीएयूटी) सुविधा के उद्घाटन के अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (यूआरएम), अनीश सेनगुप्ता ने अतिथियों का स्वागत किया एवं उपस्थित जनों को पीएयूटी मशीन की कार्यक्षमता और मुख्य विशेषताओं के विषय में जानकारी प्रदान की।

इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) अंजनी कुमार ने यूआरएम में पीएयूटी सुविधा के सफलतापूर्वक कमीशनिंग के लिए यूआरएम की पूरी टीम समेत अन्य एजेंसियों को भी बधाई दी। कार्यपालक निदेशक (सामग्री प्रबंधन) अजय कुमार चक्रवर्ती, मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (लौह) तापस दासगुप्ता, मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (सेवाएं) पी के सरकार, मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (एम एंड यू) असित साहा, मुख्य महाप्रबंधक (आरएसएम) तीर्थंकर दस्तीदार, मुख्य महाप्रबंधक (गुणवत्ता) राहुल श्रीवास्तव, मुख्य महाप्रबंधक (सीसी–डब्ल्यू) इन्द्रजीत सेनगुप्ता, मुख्य महाप्रबंधक (सी एंड आईटी) समीर गुप्ता, मुख्य महाप्रबंधक (ए एवं डी) रवि शंकर समेत राइट्स के महाप्रबंधक (यूआरएम) विशाल गुप्ता, महाप्रबंधक (आरसीएल) सिद्धार्थ मुखोपाध्याय, महाप्रबंधक (यूआरएम) रजत मुखर्जी तथा संयंत्र के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता ने यूआरएम में पीएयूटी सुविधा के क्रियान्वयन को सफल बनाने में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से शामिल पूरी टीम को बधाई दी।

विश्व मच्छर दिवस पर रैली निकालकर लोगों को किया गया जागरूक

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। विश्व मच्छर दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत भिलाई इस्पात संयंत्र के नगर सेवाएं विभाग के जनस्वास्थ्य अनुभाग और जिला नगर कार्यालय (डीएमओ), दुर्ग द्वारा संयुक्त रूप से रैली निकालकर लोगों को मच्छरजनित रोगों के विषय में जागरूक किया गया। सेक्टर–4 में निकाली गई रैली के माध्यम से लोगों को मच्छरजनित रोगों, उनके लक्षण व बचाव के उपाय तथा मच्छरों की उत्पत्ति को कैसे कम करें, आदि अन्य आवश्यक उपायों के बारे में लोगों को जागरूक किया।

20 अगस्त को दुनियाभर में विश्व मच्छर दिवस के रूप में मनाया जाता है। मच्छर दिवस मनाने का उद्देश्य लोगों को मच्छरों से होने वाली डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया जैसी गंभीर जानलेवा बीमारियों के प्रति जागरूक तथा सावधान करना हैं। वर्ष 1930 में लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन और ट्रॉपिकल मेडिसिन द्वारा इस दिन को मनाने की शुरुआत की गई थी। ब्रिटिश डॉ रोनाल्ड रॉस ने साल 1897 में 20 अगस्त के ही दिन मादा एनाफिलीज मच्छर की खोज की थी। यही मादा मच्छर खतरनाक मलेरिया बीमारी की वाहक होती है। भिलाई इस्पात संयंत्र के नगर सेवाएं विभाग विभाग के जनस्वास्थ्य अनुभाग द्वारा इन बीमारयों से सुरक्षा हेतु, शहरवासियों को जागरूक करने के साथ साथ इस्पात नगरी के आवासों का सर्वेक्षण, निरीक्षण, दवाओं का वितरण तथा फॉगिंग व कीटनाशकों का छिड़काव आदि कर निरंतर प्रयास कर रहा है। बारिश के मौसम में विभिन्न कीटाणुओं और विषाणुओं के संपर्क में आने से अनेक तरह की बीमारियों का खतरा होता है, जिनकी ओर ध्यान न देने पर गंभीर बीमारियों का सामना करना पड़ सकता है। जन स्वास्थ्य विभाग द्वारा, इस्पात नगरी में मच्छर जनित रोग जैसे मलेरिया, डेंगू आदि के रोकथाम हेतु सघन अभियान जारी है। बीएसपी का जन स्वास्थ्य विभाग प्रत्येक रविवार को ड्राई डे मनाती है, जिसके तहत वे घर–घर जाकर पानी के पात्रों को खाली कर उनकी सफाई व दवाइयों का छिड़काव आदि करती है।

इन बीमारियों से सुरक्षा हेतु इसके कारण, लक्षणों और बचाव के तरीकों की जानकारी होना अति आवश्यक है। मच्छर के लार्वा पनपने के संभावित स्थानों जैसे कूलर, पानी की टंकी, पक्षियों के पीने के पानी का बर्तन, फ्रिज की ट्रे, फूलदान, इत्यादि को प्रति सप्ताह खाली करें व धूप में सुखाकर प्रयोग करें, नारियल का खोल, टूटे हुए बर्तन व टायरों में पानी जमा न होने दें। घरों के दरवाजे व खिड़कियों में जाली/परदे लगायें, पैर में मोजे पहने एवं दिन में भी सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें। भिलाई इस्पात संयंत्र के जनस्वास्थ्य विभाग ने इस्पात नगरी के सभी शहरवासियों से अपील की कि वैक्टरजनित बीमारियाँ हमारे स्वास्थ्य को बहुत प्रभावित करती हैं, अतः इन बीमारियों के प्रति जागरूक रहते हुए सभी आवश्यक सावधानियों एवं उपायों का पालन अवश्य करें।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

रायपुर में बंद बेअसर, राज्य में मिला-जुला असर

रायपुर। सुप्रीम कोर्ट द्वारा एससी-एसटी आरक्षण में क्रीमीलेयर के मुद्दे पर दिए गए फैसले के विरोध में 21 अगस्त को विभिन्न संगठनों द्वारा भारत बंद का आह्वान किया गया। नेशनल कॉन्फेडरेशन ऑफ दलित एंड आदिवासी ऑर्गेनाइजेशन्स ने अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए न्याय और समानता की मांग की है। छत्तीसगढ़, जो एक आदिवासी बहुल राज्य है, में इस बंद का मिश्रित प्रभाव देखने को मिला है।

रायपुर में बंद का असर नहीं

राजधानी में बंद का कोई खास असर नहीं दिखा। यहां सभी स्कूल-कॉलेज, बस सेवा, पेट्रोल पंप और दुकानें सामान्य रूप से खुले रहे। हालांकि, पुलिस अलर्ट मोड पर रही और किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए तैयार थी। इस प्रदर्शन को छत्तीसगढ़ यातायात महासंघ और छत्तीसगढ़ चैम्बर ऑफ़ कॉमर्स ने समर्थन नहीं दिया है। वहीं समाज के लोगों द्वारा राजधानी में रैली का आयोजन किया जा रहा है। दुकानों को बंद करने का प्रयास किया जा रहा है। राजधानी पुलिस अलर्ट मोड पर है जबरदस्ती बंद कराने या हुड़दंग हुई तो कार्रवाई होगी।

बिलासपुर में मिला-जुला असर

बिलासपुर में बंद का मिला-जुला असर देखा गया। कुछ स्थानों पर दुकानें खुली रहीं, जबकि कुछ स्थानों पर बंद का प्रभाव दिखा। स्कूल-कॉलेज खुले रहे और आवश्यक सेवाओं को बंद से अलग रखा गया। छत्तीसगढ़ में बंद का प्रभाव मिलाजुला रहा। राजधानी रायपुर में कोई खास असर नहीं दिखा, जबकि कांकेर जैसे आदिवासी क्षेत्रों में बंद का व्यापक असर देखा गया। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए सतर्कता बरती।

हरियाणा और जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव में छग के 12 अधिकारी बनाए गए ऑब्जर्वर

रायपुर। हरियाणा और जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा के साथ ही छत्तीसगढ़ के 9 आईएएस और 3 आईपीएस अधिकारियों को केंद्रीय निर्वाचन आयोग ने ऑब्जर्वर बनाया है। निर्वाचन आयोग से मिली जानकारी के अनुसार राज्य के 9 आईएएस अफसरों जिनमें हिमशिखर गुप्ता, राजेश सिंह राणा, नरेंद्र कुमार दुग्गा, भीम सिंह, डॉ. प्रियंका शुक्ला, जय प्रकाश मौर्या, संजीव कुमार झा, विनित नंदनवार और ऋतुराज रघुवंशी का नाम शामिल है। इसके अलावातीन आईपीएस अफसरों प्रशांत कुमार अग्रवाल, अभिषेक मीणा, उदय किरण को ऑब्जर्वर के बनाकर यहां चुनाव कराने की जिम्मेदारी सौंपी है। बतादें कि जम्मू कश्मीर में तीन चरणों में (18 सितंबर, 25 सितंबर और एक अक्टूबर) विधानसभा चुनाव होंगे, जबकि हरियाणा में एक अक्टूबर को वोट डाले जाएंगे। वहीं मतगणना एक साथ चार अक्टूबर को होंगे।

नागरिकों के बैठने की व्यवस्था समेत अन्य तैयारियों के लिए दिए निर्देश

कलेक्टर ने नो योर आर्मी प्रदर्शनी की तैयारियों का लिया जायजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने मंगलवार को साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित नो योर आर्मी प्रदर्शनी की तैयारियों का जायजा लेने पहुंचे। कार्यक्रम स्थल पर कलेक्टर डॉ. सिंह ने मंच निर्माण के लिए स्थल चयन, आंगुतकों के ठहरने की व्यवस्थाए आमंत्रित नागरिकों के बैठने की व्यवस्था समेत अन्य तैयारियों के निर्देश दिए।

कलेक्टर डॉ. सिंह ने आर्मी के जवानों के ठहरने की व्यवस्था भी देखी। साथ ही स्पोटर्स स्टेडियम में बुनियादी सुविधाओं को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर देवेंद्र पटेल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दौलत राम पोर्ते समेत आर्मी के अधिकारी समेत अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे। गौरतलब है कि 5 और 6 सितंबर को नो यूअर आर्मी प्रदर्शनी का आयोजन साइंस कॉलेज मैदान में किया जाएगा। इस कार्यक्रम में प्रदर्शित टैंक, तोप, हवा में मार करने वाले हथियार, ब्रिजिंग इक्विपमेंट सहित अन्य हथियारों के बारे में यहां के लोगों को देखने और जानने का मौका मिलेगा। इसके साथ ही डॉग शो, आर्मी में बजने वाले आकर्षक बैंड शो, मार्शल म्यूजिक प्रोग्राम का भी आयोजन किया जाएगा।

भारतीय प्रशासनिक सेवा के दो अफसरों के प्रभार में फेरबदल

रायपुर। राज्य शासन द्वारा भारतीय प्रशासनिक सेवा के दो अधिकारियों के प्रभार में फेरबदल किया गया है। मंगलवार शाम सामान्य प्रशासन विभाग छग द्वारा जारी आदेश के अनुसार अभिजित सिंह संयुक्त सचिव,गृह एवं जेल विभाग को उनके वर्तमान कर्तव्यों के साथ-साथ संयुक्त सचिव चिकित्सा शिक्षा विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। इसी तरह प्रभात मलिक मुख्य कार्यपालन अधिकारी छत्तीसगढ़ इंफोटेक प्रमोशन सोसायटी (चिप्स) रायपुर तथा अतिरिक्त प्रभार संयुक्त सचिव सुशासन एवं अभिसरण विभाग को उनके वर्तमान कर्तव्यों के साथ-साथ संयुक्त सचिव इलेक्ट्रानिकक एवं सूचना प्रोद्योगिकी विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

आयुक्त मिश्रा ने सफाई व्यवस्था का लिया जायजा

वार्डो में प्रतिदिन नियमित एंटी लार्वा ट्रीटमेंट और फॉगिंग अभियान व्यापक तौर पर चलाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने मंगलवार कोनगर निगम जोन 2 क्षेत्र के भाटापारा पारस नगर, देवेन्द्र नगर एवं अन्य क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था का प्रत्यक्ष निरीक्षण सहायक स्वास्थ्य अधिकारी रवि लावनिया की उपस्थिति में किया। आयुक्त ने सड़कों की झाड़ू से सफाई एवं नालों व नालियों की सफाई के कार्य का अवलोकन विभिन्न स्थानों पर पहुंचकर किया।

आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने सभी जोन कमिश्नरों, जोन स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी नालों, नालियों की तले तक मुहाने खोलकर अच्छी तरह सफाई करवाना जनहित में जनस्वास्थ्य सुरक्षा हेतु सुनिश्चित करवाये। साथ ही जोनों के माध्यम से सभी वार्डो में प्रतिदिन नियमित एंटी लार्वा ट्रीटमेंट और फॉगिंग अभियान व्यापक तौर पर चलाये। मच्छरों पर कारगर नियंत्रण हेतु प्रभावी उपाय सुनिश्चित करें एवं नागरिको को मच्छरजनित रोगों के प्रति जागरूक बनाने अभियान नियमित रूप से वार्डो में चलाये। सफाई संबंधी जनशिकायतों का त्वरित निदान जोन कमिश्नर एवं जोन स्वास्थ्य अधिकारीगण जोन स्तर पर करवाये।

1200 से अधिक बैनर पोस्टर हटाये

नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त अबिनाश मिश्रा के आदेशानुसार नगर निगम मुख्यालय नगर निवेश उडनदस्ता की टीम सहित सभी 10 जोनो के नगर निवेश विभाग की टीमों द्वारा अभियान चलाकर नगर निगम क्षेत्र में जीई रोड में तेलीबांधा से टाटीबंध तक के मध्य मार्ग विभाजकों, चैक चैराहो, विद्युत पोलो में लगाये गये बैनर पोस्टर को हटाने की कार्यवाही की गई। अभियान के तहत राजधानी शहर के जीई रोड सहित विधानसभा मार्ग, विभिन्न प्रमुख मार्गो एवं बाजारों में मार्ग विभाजकों, चैक चैराहो में विभिन्न संस्थाओं, संगठनों द्वारा लगाये गये लगभग 1200 से अधिक बैनर पोस्टर को हटाने कार्यवाही की गई। उक्त बैनर पोस्टर बेतरतीब तरीके से लगकर सड़क दुर्घटना की आशका को प्रबल बना रहे थे एवं शहर की सुन्दरता पर विपरीत प्रभाव डाल रहे थे। इस प्रकार बैनरों, पोस्टरों को हटाने आगे भी अभियान जारी रहेगा।

महापौर ढेबर की अध्यक्षता में एमआईसी की हुई बैठक

बैठक में अमृत मिशन योजना अंतर्गत स्वीकृत नल कनेक्शन विषय पर हुई चर्चा

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर की मेयर इन काउंसिल की बैठक मंगलवार को महापौर एजाज ढेबर की अध्यक्षता, एमआईसी सदस्य ज्ञानेश शर्मा, श्रीकुमार मेनन, नागभूषण राव, सतनाम सिंह पनाग, सुन्दरलाल जोगी, समीर अख्तर, सहदेव व्यवहार, आकाश तिवारी, जितेन्द्र अग्रवाल, सुरेश चन्नावार, द्रौपती हेमंत पटेल, अंजनी राधेश्याम विभार, निगम अपर आयुक्त राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता, यूएस अग्रवाल, विनोद पाण्डेय, उपायुक्त कृष्णा खटीक, अधीक्षण अभियंता राजेश शर्मा, सभी जोन कमिश्नरों, कार्यपालन अभियंताओं, विभागों के प्रभारी अधिकारियों की उपस्थिति में नगर निगम मुख्यालय भवन महात्मा गांधी सदन के तृतीय तल सभाकक्ष में हुई।

बैठक में अमृत मिशन योजना के अंतर्गत स्वीकृत नल कनेक्शन के अतिरिक्त कनेक्शन बाबत विषय पर चर्चा एवं विचार विमर्श किया गया। अमृत मिशन के द्वितीय चरण अंतर्गत रायपुरा, कुकुरबेड़ा, भनपुरी, पुरानी भनपुरी, शंकर नगर, तेलीबांधा, ईदगाहभाठा, मठपुरैना, डंगनिया, लालपुर, देवेन्द्र नगर एवं बैरन बाजार कमाण्ड एरिया में जल प्रदाय प्रारंभ किया जा चुका है, उन कमाण्ड एरिया में हितग्राहियों द्वारा अपरिहार्य कारणों से अमृत नल कनेक्शन नहीं लिया गया है। हितग्राहियों द्वारा देय सम्पत्तिकर एवं जलकर का परीक्षण कर जलकर राशि देय हितग्राहियों को नि:शुल्क नल कनेक्शन निगम द्वारा, निगम के ब्याज मद से निविदा कर प्रदाय किया जावेगा। शेष हितग्राहियों को नियमानुसार शुल्क लेकर ही नये नल कनेक्शन प्रदान करने का निर्णय लिया गया है।

एक फोन पर मिला, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदन योजना का 2 साल से रूका पैसा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन में अब एक फोन पर समस्या का समाधान मिल रहा है। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में रायपुर जिले में शिकायतों का त्वरित निराकरण हो रहा है। विकासखंड धरसींवा के दंतरेगा ग्राम सभा निवासी श्रीमती रोहनी नेताम का प्रसव रायपुर के कालीबाडी स्थित मातृ एवं शिशु चिकित्सालय (एमसीएच) अस्पताल में दिसंबर 2022 को हुआ था।

केंद्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री मातृत्व वंदन योजना के तहत मिलने वाली 5 हजार रूपए की राशि दो साल से नहीं मिली थी। जिसको लेकर उन्होंने जिला प्रशासन के जनसमस्या निवारण कॉल सेंटर में फोन किया। जिसके बाद संबंधित विभाग को प्रकरण की जानकारी दी गई। जिसके बाद मिली जानकारी के अनुसार आवेदक ने बैंक खाते की सही जानकारी नहीं दी थी। जिससे भुगतान नहीं हो पा रहा था। जिसके बाद संबंधित विभाग ने आवेदिका को इसकी जानकारी दी। आवेदक के द्वारा बैंक खाते की सही जानकारी प्रदान की गई। जिसके बाद योजना की राशि का भुगतान हो गया है। समस्या का निराकरण होने के बाद शिकायतकर्ता श्रीमती रोहनी नेताम ने संतुष्टी जताई और मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया।

स्व. राजीव गांधी की जयंती के अवसर पर कांग्रेसजनों ने दी श्रद्धांजली

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन रायपुर में स्व. राजीव गांधी जी की जयंती के अवसर उनके छायाचित्र में पुष्पांजली माल्यार्पण अर्पित कर स्मरण कर श्रद्धांजली दी गयी।

इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, वरिष्ठ कांग्रेस नेता रविन्द्र चौबे, पूर्व मंत्री एवं विधायक उमेश पटेल, पूर्व मंत्री एवं विधायक अनिला भेड़िया, विधायक जनक ध्रुव, इन्द्र साव, चतुरी नंद, विधायक रामकुमार यादव, विधायक संदीप साहू, विधायक बालेश्वर साहू, प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला, गुरूमुख सिंह होरा, पंकज शर्मा, शिव सिंह ठाकुर, सुबोध हरितवाल, उधोराम वर्मा, कुलदीप जुनेजा, सलाम रिजवी, पूनम पांडेय, सारिक रईस खान, प्रशांत ठेंगड़ी, दिनेश ठाकुर, कमलेश नाथवाणी, श्री निवास, पुष्पराज वैद, नवीन चंद्राकर, उमेश कश्यप, भारत यादव प्रवीण चंद्राकर सहित कांग्रेसजन उपस्थित थे।

संसार के सभी दुखों की जड़ जन्म है : मुनिश्री तीर्थप्रेम विजयजी

रायपुर। श्री संभवनाथ जैन मंदिर विवेकानंद नगर में जारी आत्मोल्लास चातुर्मास 2024 में मंगलवार को रायपुर के कुलदीपक तपस्वी मुनिश्री प्रियदर्शी विजयजी म.सा. का 50वां अवतरण दिवस भक्तिभाव से मनाया गया। दीक्षा के 25 वर्ष बाद पहली बार मुनिश्री प्रियदर्शी विजयजी म.सा. रायपुर आए हैं। इस विशेष अवसर पर मुनिश्री के अवतरण दिवस को समाज ने उत्सव के रूप में मनाया।

इस विशेष अवसर पर रंग बिरंगे अक्षत से 50 गवली बनाई गई। श्रावक-श्राविकाओं ने मुनिश्री को जयकारों के साथ 50 गवली के मध्य से मंच तक पहुंचाया। इस बीच मुनिश्री के 50 अंतिम कदम पर रजत मुद्रा से गुरु पूजन किया गया। swag से संयम तक थीम पर बाल्यावस्था से, स्कूल शिक्षा से लेकर दीक्षा एवं दीक्षा के पश्चात अनेक वर्षों के फेटो प्रदर्शित किए गए। सभी ने मुनिश्री को अक्षत से बधाया। अनेक महिला मंडलों द्वारा जन्मोत्सव पर संगीतमय प्रस्तुति दी गई।

परम पूज्य मुनिश्री तीर्थप्रेम विजयजी म.सा. ने मुनिश्री प्रियदर्शी विजयजी म.सा. की 50 पॉइंट पर उनकी विशेषताओं पर प्रकाश डाला। 50 में से पहले छब्बीस विशेषताएं अंग्रेजी के ए से जेड अक्षर तक और शेष चौबीस विशेषताएं 24 तीर्थंकरों पर बताते हुए व्याख्यान दिया।

मुनिश्री तीर्थप्रेम विजयजी म.सा. ने कहा कि हर एक व्यक्ति के जीवन की सबसे महत्वपूर्ण घटना अपना-अपना जन्म होती है। शास्त्रकार इसे दुर्घटना कहते हैं,यह जन्म नाम की घटना 14 राजलोक के अनंत अनंत जीवों के जीवन में होने वाली सबसे पहली दुर्घटना है। दुखों की लिस्ट में सबसे पहला दुख जन्म है। अगर जीव का जन्म ही ना हो तो उसके जीवन में आने वाली आदि, व्यादि, रोग, बुढ़ापा, संताप और मृत्यु आए ही नहीं। संसार के सभी दुखों की जड़ जन्म है।

मुनिश्री ने बताया कि किनका जन्म मनाने लायक है। उन्होंने कहा तीर्थंकरों का जन्म मानने लायक है क्योंकि समस्त सृष्टि के लिए कल्याणकारी है। किसी जीव के जन्म से संसार के अनंत जीव को आनंद प्राप्त हो जन्म उनका मनाना चाहिए। लाखों के जीवन में कल्याण का प्रवेश हो जन्म वह मनाना चाहिए। जन्म उसी का मानना चाहिए जिसका एक जन्म आगे आने वाले अनंत जन्मों पर पूर्ण विराम रखने का काम करें, ना की एक जन्म आने वाले जन्मों की श्रृंखला खड़ी करें। जिसके जन्म से संसार की वृद्धि नहीं संसार का क्षय हो,जो अपने जन्म मृत्यु के चक्करों को खत्म करने के लिए निकले हुए हैं, वास्तव में जन्म उनका मनाना चाहिए।

सहकारिता के क्षेत्र में संचालित योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रगति की समीक्षा

राज्य सहकारी विकास समिति की बैठक सम्पन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्य सचिव अमिताभ जैन की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में राज्य सहकारी विकास समिति की बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सम्पन्न हुई। बैठक में सहकारिता मंत्रालय भारत सरकार की सहकार से समृद्धि की परिकल्पना के अंतर्गत सहकारिता के क्षेत्र में संचालित विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में छत्तीसगढ़ राज्य में सहकारिता के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों के संबंध में विस्तृत चर्चा हुई। कृषि, मत्स्य पालन, वन सहित अन्य विभागों के अंतर्गत सहकारी समितियों के माध्यम से कार्य किए जा रहे है। मुख्य सचिव ने सहकारिता विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए है कि सहकारिता क्षेत्र के अंतर्गत काम करने वाले सदस्यों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए है कि सहकारी समितियों के अंतर्गत निर्मित गोदामों का उपयोग सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में अधिकारियों ने बताया कि प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों की आमदनी में इजाफा के लिए भारत सरकार द्वारा इन समितियों को कई नये काम दिए जा रहे है। जिसमें जन औषधी केन्द्र, कामन सर्विस सेंटर, पेट्रोल पंप संचालन, गैस ऐजेंसी का संचालन इत्यादि शामिल हैं। वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग से आयोजित इस बैठक में सहकारिता विभाग के सचिव सी.आर. प्रसन्ना, कृषि विभाग की सचिव शहला निगार, संचालक पशुधन विकास विभाग डॉ. प्रियंका शुक्ला, विशेष सचिव वित्त शीतल शाश्वत वर्मा सहित सहकारिता एवं कृषि विभाग के अधिकारी शामिल हुए।

अंकिता लोखंडे ने बताया कि पति विक्की इन दिनों किस पर हैं फिदा

अभिनेत्री अंकिता लोखंडे ने अपने पति और बिजनेसमैन विक्की जैन के नवीनतम जुनून के बारे में बात की, और यह कुछ और नहीं बल्कि उनका नया मोबाइल फोन है। पवित्र रिश्ता फेम अभिनेत्री के इंस्टाग्राम पर 5.3 मिलियन फॉलोअर्स हैं। इस प्लेटफॉर्म के स्टोरीज सेक्शन में उन्होंने अपने पति विक्की का एक वीडियो पोस्ट किया है।

वीडियो में विक्की बिस्तर पर बैठे हैं और गंभीरता से अपने फोन को देख रहे हैं। वीडियो रिकॉर्ड कर रही अंकिता कहती हैं, यह आदमी हमेशा फोन पर रहता है.. इसका एक नया फोन आया है, बस उसी से चिपका रहता है पूरे टाइम..फिर वह चिल्लाती हैं-विक्कू.. छोड़ दे फोन बेबी। वीडियो का कैप्शन है- इसकी गुड मॉर्निंग हो गई है।

अंकिता और विक्की ने 14 दिसंबर, 2021 को मुंबई में एक पारंपरिक समारोह में शादी की थी। काम की बात करें तो इस जोड़े ने विवादित रियलिटी शो बिग बॉस 17 में हिस्सा लिया था। वे फिलहाल लाफ्टर शेफ्स-अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट में नजर आ रहे हैं। इस शो में कृष्णा अभिषेक, राहुल वैद्य, करण कुंद्रा, निया शर्मा, जन्नत जुबैर रहमानी, रीम शेख, सुदेश लहरी और कश्मीरा शाह भी हैं। इसकी मेजबानी भारती सिंह करती हैं और इसके जज शेफ हरपाल सिंह सोखी हैं और यह कलर्स पर प्रसारित होता है।

अंकिता ने 2009 में पवित्र रिश्ता में अर्चना की भूमिका से अपने अभिनय की शुरुआत की थी। इस शो में दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत ने मानव की भूमिका निभाई थी। अंकिता और सुशांत एक रोमांटिक रिश्ते में थे, हालांकि, 2016 में वे अलग हो गए थे।

वह एक थी नायिका, झलक दिखला जा 4 और कॉमेडी सर्कस का नया दौर का भी हिस्सा रही हैं। अंकिता ने झांसी की रानी लक्ष्मी बाई के जीवन पर आधारित 2019 की ऐतिहासिक जीवनी पर आधारित एक्शन ड्रामा मणिकर्णिका- द क्वीन ऑफ झांसी से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की। कृष जगरलामुदी और कंगना रनौत द्वारा निर्देशित इस फिल्म में कंगना ने मुख्य भूमिका निभाई है। वह बागी 3 और द लास्ट कॉफी जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।

39 वर्षीय अंकिता को आखिरी बार विनायक दामोदर सावरकर के जीवन पर आधारित फिल्म स्वातंर्त्य वीर सावरकर में देखा गया था। इसका निर्देशन फिल्म में मुख्य भूमिका भी निभाने वाले सह-लेखन और सह-निर्माण रणदीप हुड्डा ने किया है।

सिल्वर रिवीलिंग साड़ी पहन मौनी रॉय ने शेयर किया ग्लैम लुक

टीवी से बॉलीवुड में अपनी एक्टिंग के दम पर पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस मौनी रॉय आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उनका हर एक अंदाज इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की कुछ ग्लैमरस फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं। मौनी रॉय हमेशा अपने ग्लैमरस लुक्स और स्टाइलिश फैशन सेंस के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनके लुक पर अपना दिल हार जाते हैं।

अब हाल ही में एक्ट्रेस मौनी रॉय ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की बेहद खूबसूरत तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनकी कातिल अदाओं से फैंस की नजरें नहीं हट पा रही हैं। मौनी रॉय ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान ब्लू कलर की साड़ी पहनी हुई है। यह साड़ी काफी रिवीलिंग लुक में दिखाई दे रही हैं। एक्ट्रेस मौनी रॉय का यह लुक फैंस को काफी ज्यादा पसंद आ रहा है। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करती हुई कैमरे के सामने किलर पोज देती हुई नजर आ रही हैं।

उनका ये टेम्पटिंग लुक देखकर हर कोई उनकी तारीफ करता हुआ नहीं थक रहा है। बता दें कि लोग उनकी एक्टिंग ही नहीं बल्कि बोल्ड लुक्स के भी दीवाने हैं। बालों को बांधकर, लाइट मेकअप और न्यूड शेड लिप्सटिक लगाकर एक्ट्रेस मौनी रॉय ने अपने इस लुक को और भी ज्यादा खूबसूरती के साथ निखारा है। इंडियन हो या फिर वेस्टर्न मौनी रॉय हर अंदाज में कहर ढाती हैं। उनका ग्लैमरस लुक अक्सर फैंस को दीवाना बना देता है।

घूमर के एक साल पूरे होने पर सैयामी खेर ने इसे अपने जीवन का एक अध्याय बताया

फिल्म घूमर की सफलता से अभिनेत्री सैयामी खेर काफी खुश हैं। उन्होंने अपनी खुशी को एक्स पर पोस्ट कर जाहिर की। फिल्म घूमर एक साल पहले रिलीज हुई थी जिसमें सैयामी खैर और फिल्म स्टार अभिषेक बच्चन मुख्य रोल में नजर आए थे।

फिल्म स्पोर्ट्स पर आधारित है। सैयामी ने कहा मुझे खुशी है कि फिल्म को एक साल के अंदर ही इतनी अच्छी प्रतिक्रिया मिली। यह फिल्म सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं है; यह मेरे जीवन का एक अध्याय है। हर फिल्म में बहुत मेहनत लगती है। इस फिल्म में कड़ी मेहनत के साथ नाखून भी टूटे।

बता दें कि फिल्म में सैयामी ने अनीना की भूमिका निभाई है। वहीं अभिषेक बच्चन ने कोच के रूप में दमदार अभिनय किया। सैयामी इस फिल्म में पैरा-क्रिकेटर की भूमिका में थी। जिसे अभिषेक बच्चन ने कोचिंग दी। इन दोनों के अलावा अंगद बेदी ने भी फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

इस फिल्म के लिए उन्होंने निर्देशक आर. बाल्की को धन्यवाद किया और कहा कि इस फिल्म में मुझे एक अभिनेता के रूप में निभाने के लिए बहुत कुछ उन्होंने दिया। मैं इस फिल्म में मेरा साथ देने के लिए बाल्की सर की हमेशा आभारी रहूंगी। मुझे उम्मीद है कि मुझे ऐसी चुनौतीपूर्ण और रोमांचक भूमिकाएं मिलती रहेंगी।

घूमर' हमेशा मेरे दिल में एक खास जगह रखेगा, और मैं भविष्य में ऐसे कई और अनुभवों का इंतजार कर रही हूं।

इस फिल्म की कहानी में अनीना जो कि क्रिकेट खिलाड़ी हैं, उनका सपना है कि एक दिन वह भारत के लिए क्रिकेट खेले। लेकिन, एक हादसे में वह अपना दायां हाथ खो देती हैं। इस हादसे के बाद अनीना काफी टूट जाती हैं और अपने अधूरे सपने को लेकर मरना चाहती हैं। इसी बीच अभिषेक बच्चन की एंट्री होती है जो अनीना में विश्वास जगाते हैं कि वह एक हाथ से भी खेल सकती है।

ऋषभ शेट्टी को मिला पुरस्कार, पत्नी ने लुटाया प्यार

कांतारा के लिए बेस्ट एक्टर का नेशनल अवॉर्ड जीतने के बाद ऋषभ शेट्टी का उनकी पत्नी संग एक बहुत ही खूबसूरत वीडियो सामने आया है, जिसमें वह उनका वेलकम करते दिख रही हैं। कांतारा फेम ऋषभ शेट्टी अपनी फिल्मों के लिए दुनिया भर में चर्चा में बने रहते हैं।

ऋषभ शेट्टी को कांतारा के लिए बेस्ट एक्टर का नेशनल अवॉर्ड मिला है, जिसके बाद से ही वह चर्चा में बने हुए हैं। 16 अगस्त को 70वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स के विनर्स का ऐलान हुआ था। कांतारा के लिए ऋषभ की जीत पर यश और जूनियर एनटीआर ने उन्हें बधाई दी हैं। कांतारा की इस शानदार सफलता से मेकर्स और स्टार कास्ट के बीच भी खुशी का माहौल देखने को मिल रहा है। इसी बीच अब सोशल मीडिया पर ऋषभ शेट्टी की पत्नी का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें उन्हें एक्टर की जीत का जश्न बहुत ही खास अंदाज में मनाते हुए देख सकते हैं।

ऋषभ शेट्टी को उनकी पहली पैन इंडिया फिल्म कांतारा के लिए उन्होंने नेशनल अवॉर्ड जीत लिया। ऋषभ शेट्टी की इस खुशी को पत्नी और बच्चों ने बेहद सिंपल और खास तरीके से सेलिब्रेट किया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में देखने को मिलता है कि ऋषभ शेट्टी जैसे ही घर पहुंचते हैं तो उनकी पत्नी उनका स्वागत करती है। आरती की थाल लिए बेटी के साथ दरवाजे पर एक्टर की आरती उतारती हैं और फिर उन्हें प्यार से गले लगा लेती हैं।

ऋषभ की पत्नी प्रगति ने यह वीडियो अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर करते हुए लिखा है, मुझे पर गर्व है। चांद पर पहुंच गई हूं। मैं गर्व से फूले नहीं समा रही हूं!सिनेमा के प्रति उनके समर्पण और जुनून को राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। आप की कड़ी मेहनत आज सफल हो गई है। इस के अलावा साउथ स्टार यश और जूनियर एनटीआर ने भी सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर उन्हें बधाई दी है। ऋषभ शेट्टी की निर्देशित और अभिनीत कांतारा आज भी लोगों के दिलों में खास जगह बनाए हुए है। ऋषभ शेट्टी इन दिनों अपनी हिट फिल्म कांतारा 2 की कहानी पर काम कर रहे हैं।

ब्रह्मास्त्र को राष्ट्रीय पुरस्कार मिलने पर नमित ने कहा-यह एक बड़ी छलांग

70वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में तीन अवॉर्ड अपने नाम करने वाली ब्रह्मास्त्र: पार्ट वन-शिवा को लेकर निर्माता नमित मल्होत्रा ने अपना आभार व्यक्त किया है। रणबीर कपूर और आलिया भट्ट अभिनीत इस फिल्म ने बेस्ट फिल्म इन एवीजीसी (एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक) का पुरस्कार जीता है। संगीतकार प्रीतम ने बेस्ट म्यूजिक डायरेक्शन का पुरस्कार जीता है, जबकि अरिजीत सिंह ने केसरिया गाने के लिए बेस्ट मेल प्लेबैक सिंगर का पुरस्कार अपने नाम किया है।

इस बड़ी जीत के बारे में बात करते हुए प्राइम फोकस लिमिटेड के संस्थापक नमित ने कहा, ब्रह्मास्त्र के लिए बेस्ट वीएफएक्स फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार जीतना एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है, जो भारतीय वीएफएक्स उद्योग को वैश्विक स्तर पर नई ऊंचाइयों पर ले जाता है। मुझे अयान मुखर्जी के विजन को जीवंत करने में हमारी टीम के अभूतपूर्व काम पर बेहद गर्व है, जिसके परिणामस्वरूप इसे यह अविश्वसनीय मान्यता मिली है।

उन्होंने कहा, ब्रह्मास्त्र विजुअल स्टोरीटेलिंग में एक बड़ी छलांग का प्रतिनिधित्व करता है, और यह पुरस्कार डीएनईजी और रीडिफाइन की टीमों द्वारा किए गए प्रयासों का प्रमाण है। फिल्म में अमिताभ बच्चन, मौनी रॉय और नागार्जुन जैसे कलाकारों ने भी काम किया है। यह फिल्म हिंदू पौराणिक कथाओं से प्रेरित है, जो शिवा (रणबीर) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो पायरोकाइनेटिक शक्तियों वाला एक अनाथ संगीतकार है, जिसे पता चलता है कि वह एक अस्त्र है, जो बहुत बड़ी ऊर्जा का हथियार है।

रणबीर को पिछली बार संदीप रेड्डी वांगा द्वारा निर्देशित और टी-सीरीज फिल्म्स, भद्रकाली पिक्चर्स और सिने 1 स्टूडियो द्वारा निर्मित एक्शन ड्रामा एनिमल में देखा गया था। इस फिल्म में अनिल कपूर, बॉबी देओल, रश्मिका मंदाना और त्रिप्ति डिमरी हैं। उनकी अगली फिल्म रामायण है।

हर महीने पूरा खर्च हो जाता है वेतन? पैसे बचाने के लिए आजमाएं ये तरीके

आज की तेज-तर्रार दुनिया में वित्त का प्रबंधन करना पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गया है ।जीवन यापन की बढ़ती लागत और आर्थिक अनिश्चितताओं के साथ एक अच्छी बचत की योजना वित्तीय सुरक्षा और मानसिक शांति प्रदान कर सकती है, खासतौर से आपातकालीन स्थिति में ।आइए आज हम आपको कुछ ऐसे प्रभावी तरीके बताते हैं, जिन्हें आजमाकर आप अपने मासिक वेतन से आसानी से पैसे बचा सकते हैं।

सबसे पहले बजट बनाएं और उसी के अनुसार खर्चा करें

हर व्यक्ति को अपने खर्चों की गणना करनी चाहिए और इसके बाद हर महीने के खर्च के लिए बजट बनाना चाहिए ।निर्धारित की गई सीमा के अंदर ही खर्च करने की कोशिश करनी चाहिए, इससे हर महीने पैसे बचाने में मदद मिलती है ।इसके अतिरिक्त अपने वेतन से निर्धारित राशि या प्रतिशत को अलग करके किसी ऐसी जगह रख दें, जहां आपकी पहुंच रोजाना की न हो क्योंकि सामने दिखने पर पैसे खर्च हो जाते हैं।

अनावश्यक खर्चे कम करें

बेशक समय के साथ छोटे-छोटे खर्चे बढ़ गए हैं, लेकिन इनके कारण पूरा वेतन कब खत्म हो जाता है, पता ही नहीं चलता ।इससे बचने के लिए उन लागतों की पहचान करने के लिए अपने मासिक व्यय का विश्लेषण करें, जिन्हें कम या खत्म किया जा सकता है ।उदाहरण के लिए रोजाना बाहर से कॉफी खरीदने की बजाय उस घर पर ही बनाने पर विचार करें या सिगरेट पीते हैं तो उसकी आदत छोड़ना आदि।

मासिक बिल में कटौती करें

वेतन से पैसे बचाने के लिए मासिक बिल में कटौती करना जरूरी है ।इसके लिए हर व्यक्ति को अपनी कुशलता का इस्तेमाल करके पानी, गैस, बिजली, फोन के बिल में कटौती करनी चाहिए ।इसके अतिरिक्त फोन और इंटरनेट के लिए बेहतर और सस्ता प्लान चुनें। साथ ही अपने बिलों का समय पर भुगतान करके आप लेट फीस और जुर्माने से भी बच सकते हैं। इससे भी आपकी बचत होगी।

कर्ज लेने और ज्यादा क्रेडिट कार्ड रखने से बचें

पैसे बचाने के लिए अपने कर्जों को कम और प्रबंधित करने की कोशिश करें। इसके अतिरिक्त, ज्यादा कर्ज लेने से बचें। कोई भी व्यक्ति तभी कर्ज ले जब बहुत ज्यादा जरुरत हो ।साथ ही ज्यादा क्रेडिट कार्ड रखने से भी बचें क्योंकि ज्यादा क्रेडिट कार्ड होने का मतलब है ज्यादा खर्चे। बचत करने के लिए इन बातों का ध्यान जरूर रखें ।यहां जानिए त्योहारों पर बचत करने के तरीके।

इमरजेंसी फंड को न भूलें

वित्तीय सुरक्षा के लिए हर किसी को सबसे पहले अपने लिए एक इमरजेंसी फंड जरूर बनाना चाहिए ।यह किसी आकस्मिक स्थिति में आपके लिए कवच की तरह काम कर सकता है ।इस बारे में वित्तीय सलाहकार कहते हैं कि इमरजेंसी फंड के रूप में कम से कम 6 महीने का घर खर्च रखने से आपको मदद मिल सकती है। इसके अलावा इससे आप वास्तव में दोस्तों, रिश्तेदारों या सहकर्मियों से उधार मांगने से बच सकते हैं।

स्वास्थ्य परिवार कल्याण मंत्रालय का निर्देश: सभी सरकारी अस्पतालों में किए जाएं सुरक्षा के कड़े इंतजाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय स्वास्थ्य परिवार कल्याण मंत्रालय ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज में हुई घटना के मद्देनजर एम्स सहित सभी केंद्रीय अस्पतालों को पत्र लिखा है। सभी अस्पतालों को सुरक्षा के व्यापक इंतजाम उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। पत्र में कहा गया है कि चिकित्साकर्मियों के साथ अपराध मंजूर नहीं है।

पत्र में यह भी कहा गया कि निजी अस्पतालों की तुलना में सरकारी अस्पताल मरीजों के लिए सुलभ होते हैं। इसी वजह से निजी अस्पतालों में आपराधिक कृत्य अधिक होते हैं। ऐसे में यहां सुरक्षा के उचित बंदोबस्त करना अस्पताल का दायित्व बनता है। इसमें लिखा है कि जिस तरह से पिछले कुछ दिनों से चिकित्सकर्मियों के साथ हिंसक व आपराधिक कृत्य की खबरें प्रकाश में आ रही हैं, उससे स्पष्ट है कि मौजूदा सुरक्षा-व्यवस्था अपर्याप्त है।

पत्र में निर्देश दिए गए हैं कि अस्पताल के प्रवेश व निकासी द्वार पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं, ताकि आने-जाने वाले सभी लोगों की गतिविधियों को कैमरों में कैद किया जा सके। अगर कोई अप्रिय घटना कैद होती है, तो अपराधी को तुरंत पकड़ने में मदद मिले।

चिट्ठी के मुताबिक अस्पताल में निकासी और प्रवेश द्वार साथ ही सभी संवेदनशील परिसरों में भी कैमरे लगाए जाएं। इसके अलावा परिसर में सभी प्रशिक्षित सुरक्षाकर्मियों को पर्याप्त संख्या में तैनात किया जाए, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति पर समय रहते काबू पाया जा सके।

साथ ही कहा गया है कि मरीजों के साथ दो ज्यादा तीमारदार को अस्पताल में प्रवेश करने की इजाजत न दी जाए। वहीं, अगर कभी इस बात का पता चले कि कोई मानसिक रूप से बीमार व्यक्ति अस्पताल में है और अंदेशा हो कि वो किसी को नुकसान पहुंचा सकता है, तो उसे तत्काल बाहर किया जाए।

खत में उचित प्रशिक्षण के भी निर्देश हैं। इसमें सलाह दी गई है कि अस्पताल में तैनात सुरक्षाकर्मियों को समय-समय पर उचित प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाए, ताकि अगर कभी ऐसी स्थिति पैदा हो, तो उस पर आसानी से काबू किया जा सके। वहीं, अस्पताल में कार्यरत सभी चिकित्सकर्मियों को भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए उचित प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाए, ताकि कार्यस्थल में रहते हुए अगर उन्हें निकट भविष्य मे ऐसी विषम परिस्थितियों का सामना करना पड़ें, तो वे किसी दूसरे पर आश्रित होने के बजाय खुद ही इसका डट कर मुकाबला करने में सक्षम हों।

पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में महिला डॉक्टर से हुए दुष्कर्म को लेकर देशभर में आक्रोश है। विभिन्न राज्यों मे चिकित्सकर्मी हड़ताल पर हैं। इससे अस्पताल में उपचाराधीन मरीजों को दुश्वारियों का सामना करना पड़ रहा है। कई मरीजों के ऑपरेशन व सर्जरी की तारीख भी टल गई है। प्रदर्शनकारी डॉक्टरों का दो टूक कहना है कि जब तक इस वीभत्स घटना में संलिप्त आरोपी को कड़ी से कड़ी सजा नहीं दे दी जाती है, तब तक हमारा विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा।

उधर, इस घटना को लेकर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी देखने को मिल रही हैं। विपक्षी दल मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। पीड़िता के पिता का आरोप है कि मुख्यमंत्री घटना को लेकर आक्रोशित लोगों को दबाने का प्रयास कर रही हैं।

खास खबर

प्रदेश के कई हिस्सों में भारी बारिश की चेतावनी, 5 जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी

रायपुर। प्रदेश में मौसम का मिजाज बदला हुआ है। कई हिस्सों में अभी भी रूक रूककर बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने आज मंलगवार को कई जिलों में भारी बारिश की संभावना जताई है। हालांकि मौसम साफ होने के बाद बीते कुछ दिनों से तापमान में बढ़ोतरी होने लगी है और इससे उमस भी बढ़ी है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों के लिए जशपुर, सूरजपुर, बलरामपुर, रायगढ़ और बीजापुर जिलों में एक-दो स्थानों पर बिजली गिरने और भारी बारिश की चेतावनी दी है। इन क्षेत्रों के लिए विभाग ने यलो अलर्ट जारी किया है। वहीं दुर्ग जिले में बारिश नहीं होने से सूखे की स्थिति बन रही है। जिले में बारिश का औसत सामान्य से 20 फीसदी कम है। आपको बता दें कि सोमवार सुबह से ही रायपुर सहित प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में मौसम साफ रहा। हालांकि कुछ क्षेत्रों में हल्की वर्षा भी हुई। प्रदेश में बलरामपुर जिले के कुसमी में सर्वाधिक वर्षा सात सेमी हुई। आने वाले तीन दिनों तक मौसम का रुख ऐसा ही बना रहेगा, उसके बाद फिर 10 से बदलने वाला है और प्रदेश में व्यापक वर्षा होगी। आपको बता दें कि प्रदेश में एक जून 2024 से अब तक राज्य में 793.4 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून 2024 से आज 18 अगस्त सवेरे तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 1720.6 मिमी और सरगुजा जिले में सबसे कम 436.0 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी नागरिकों की समस्याएं

राजनांदगांव। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में जिले के विभिन्न स्थानों से आए नागरिकों की समस्याएं सुनी और अधिकारियों को निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दूरस्थ क्षेत्रों से जनसामान्य अपनी समस्याएं लेकर जनदर्शन में आते हैं, उनकी समस्याओं का निराकरण करते हुए उन्हें शासन की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत लाभान्वित करना है। उन्होंने आवेदनों का अवलोकन कर नियमानुसार पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने के लिए कहा। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को उनके विभाग से संबंधित आवेदन प्रदान कर शीघ्र निराकरण करने के लिए निर्देशित किया। जनदर्शन में घुमका तहसील के ग्राम पटेवा निवासी सुशन वर्मा ने अपनी पत्नी के आकस्मिक मृत्यु होने पर बीमा राशि प्रदाय के लिए आवेदन किया। शंकरपुर राजनांदगांव के श्री वासुदेव सिन्हा ने राजस्व रिकार्ड में त्रुटि सुधार के लिए आवेदन किया। इसी तरह जनदर्शन में प्रधानमंत्री आवास योजना, राजस्व अभिलेख में नाम दुरूस्त करने, विभिन्न शासकीय योजनाओं से लाभ दिलाने जैसे आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता के साथ निराकरण के लिए निर्देश दिए।

महिला मोर्चा ने धूमधाम से मनाया सावन महोत्सव

कोरबा। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा ने जिला कार्यालय कोरबा में सावन उत्सव बहुत ही धूमधाम से मनाया, जिसमें कोरबा जिले के पूर्व सांसद स्व. श्री बंशी लाल महतो की धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या महतो का मुख्य अतिथि के रूप में आशीर्वाद व मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष श्रीमति वैशाली रत्नपारखी के द्वारा सभी बहनों को सावन उत्सव की बधाइयां दी गई। जिला एवं मंडल की सभी बहनों द्वारा कई संस्कृत नृत्य एवं लोक गायन की प्रस्तुति दी इस कार्यक्रम में महिला मोर्चा प्रभारी श्रीमती ज्योति पांडेय, महामंत्री संजू देवी राजपूत, श्रीमती ललिता डिक्सेना, पिछड़ा वर्ग मोर्चा की प्रदेश मंत्री व पार्षद रितु चौरसिया, अ.ज.जा. मोर्चा की जिला उपाध्यक्ष सुकरीता कुर्रे, महिला मोर्चा जिला मंत्री श्रीमती रानी यादव, युवा मोर्चा की प्रदेश विशेष आमंत्रित सदस्य श्रीमती प्रीति स्वर्णकार, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष शीतला विश्वकर्मा, स्वाति कश्यप, अर्चना रुणीझा, देवकी साहू, कमला किंडो, प्रतिमा सोनवानी सहित सभी पार्षद एवं मंडल की बूथ स्तर तक की सदस्य उपस्थित रहीं। सभी ने हर्ष और उल्लास से सावन का झूला झूल कर सावन उत्सव मनाया।

दुनिया में एमपॉक्स के मामले बढ़ने पर भारत में अलर्ट, हवाई अड्डों-बंदरगाहों पर चौकसी तेज

नईदिल्ली(एजेंसी)। पाकिस्तान समेत दुनिया के कई देशों में एमपॉक्स वायरस के बढ़ते मामलों को देखते हुए भारत अलर्ट हो गया है। केंद्र सरकार ने हवाई अड्डों, बंदरगाहों और अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर चौकसी बढ़ा दी है।सरकार ने जिम्मेदार प्राधिकारियों को अंतरराष्ट्रीय यात्रियों पर इस रोग के संभावित लक्षणों की बारीकी से निगरानी करने को कहा है।साथ ही भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान में भी इसके मामले सामने आने के बाद सीमाओं पर सतर्क रहने को कहा गया है।

दिल्ली में 3 सरकारी अस्पतालों को एमपॉक्स रोगियों के इलाज, प्रबंधन और बीमारी को फैलने से रोकने के लिए क्वारंटीन सेंटर के रूप में नामित किया गया है।यहां के राम मनोहर लोहिया अस्पताल, सफदरजंग अस्पताल और लेडी हार्डिंग अस्पताल में इस वायरस से जुड़े रोगियों को रखा जाएगा।केंद्र सरकार ने सभी राज्यों को संभावित एमपॉक्स मामलों के लिए अपने अस्पतालों को तैयार करने और उन्हें नोडल केंद्र के रूप में घोषित करने का भी निर्देश दिया है।

एमपॉक्स एक संक्रमित बीमारी है, जो लोगों के निकट संपर्क से फैलता है। इसमें

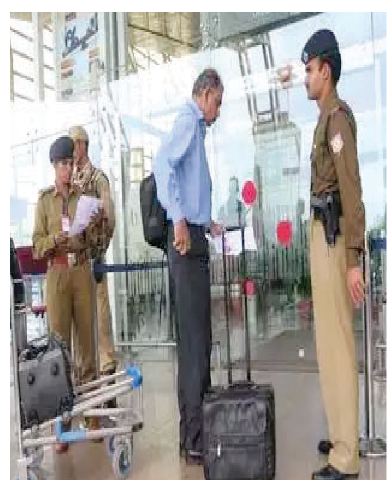

व्यक्ति को फ्लू जैसे लक्षण होते हैं और शरीर पर मवाद से भरे दानें दिखाई देते हैं।वायरस का नया वैरिएंट, क्लेड आईबी मिला है, जो यौन संचारण सहित निकट संपर्क से आसानी से फैलता है।विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रधान सचिव पीके मिश्रा ने भी रविवार को भारत की तैयारियों की समीक्षा की।

देवभोग की चेतना सोना ने दिल्ली पहुंचकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से किया संवाद

चेतना बोली यह क्षण ऐतिहासिक है मेरे लिए, पहली बार मैंने हवाई जहाज से सफर किया

गरियाबंद। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से रक्षाबंधन के अवसर पर भेंट कार्यक्रम के तहत प्रदेष के पांच जिलों से शासकीय कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय द्वारा दिल्ली के लिए रवाना किये गये इस टीम में रायपुर संभाग के पांच छात्राओं का चयन किया गया था। जिसमें गरियाबंद जिले से शासकीय कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय देवभोग की कक्षा 9वीं की छात्रा कुमारी चेतना सोना ने भी प्रतिनिधित्व किया था।

रक्षाबंधन के अवसर पर राष्ट्रपति भवन दिल्ली में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के भेंट कार्यक्रम के अंतर्गत छात्राओं ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भेंट कर संवाद किया। इस कार्यक्रम में छात्राओं के प्रतिनिधि मंडल में शामिल चेतना सोना ने केन्द्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान के कलाई में राखी बांधी। इस उपलब्धि पर कलेक्टर श्री दीपक कुमार अग्रवाल सहित जिला षिक्षा अधिकारी श्री ए.के. सारस्वत ने चेतना सोना को शुभकामनाएं दी।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू ने कार्यक्रम में प्रदेश की बेटियों का हाल जाना। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू से मुलाकात के बाद हुई चर्चा में चेतना ने बताया कि यह पल उसके लिए अविस्मरणीय एवं ऐतिहासिक रहा। चेतना ने पहली बार की हवाई

यात्रा के अनुभव को भी साझा करते हुए इसे अविस्मरणीय बताया। इसके लिए चेतना ने जिला प्रशासन एवं राज्य शासन के प्रति आभार व्यक्त किया। गौरतलब है कि जिले के पांच विकासखण्ड में शैक्षणिक गतिविधियों के अतिरिक्त विभिन्न विधाओं में चेतना की सक्रियता व भागीदारी थी, जिसके चलते देवभोग के शासकीय कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की छात्रा चेतना का चयन इस कार्यक्रम के लिए हुआ था। इसके अलावा सांस्कृतिक, साहित्यिक कार्यक्रम व खेलकूद में भी सक्रिय रही।

दिल्ली-एनसीआर में झमाझम बारिश, स्कूल-दफ्तर जाने के लिए घर से नहीं निकल पा रहे लोग

नईदिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में मंगलवार सुबह से ही घने बादल छाए हुए हैं. वहीं कई इलाकों में झमाझम बारिश हो रही है. जबकि कुछ इलाकों में हल्की बारिश के चलते मौसम सुहावना हो गया है. बारिश के चलते स्कूल और दफ्तर जाने वाले लोग घरों से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं. मौसम विभाग की मानें तो आज दिल्ली और उसके आसपास के इलाकों में भारी बारिश हो सकती है. बारिश का ये दौर बुधवार और गुरुवार को भी जारी रह सकता है. इससे पहले सोमवार को भी राष्ट्रीय राजधानी के कई इलाकों में भारी बारिश दर्ज की गई.

वहीं दिल्ली एनसीआर में पिछले सप्ताह के मध्य में बारिश न होने की वजह से उमस भरी गर्मी ने लोगों को खूब परेशान किया. लेकिन रविवार को एक बार फिर से मौसम का मिजाज बदल गया और कई इलाकों में हल्की बारिश के चलते मौसम सुहावना हो

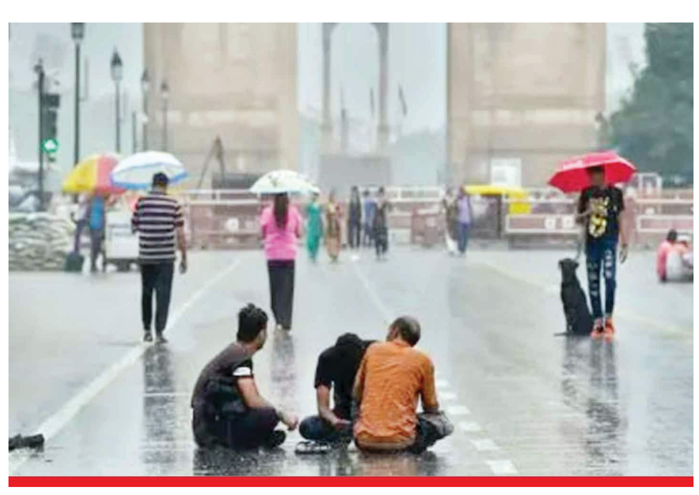

गया. हालांकि सोमवार को भी दिल्ली का तापमान सामान्य से एक डिग्री सेल्सियस ज्यादा रहा.

इस बीच मौसम विभाग ने कहा है कि राष्ट्रीय राजधानी के कुछ इलाकों में बुधवार और गुरुवार को भी हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है. जिसके चलते न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस तो अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है.

दिल्ली में सुबह-सुबह हुई बारिश के चलते कई इलाकों में जलभराव हो गया. जिसके चलते लोगों को आने जाने में परेशानी होने लगी।

कुछ इलाकों में लंबा ट्रैफिक जाम भी देखने को मिल रहा है, जिसके चलते ऑफिस जाने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. इस दौरान आईटीओ के पास भी जल भराव हो गया. जिसके चलते कई बाइक सवार पुल के नीचे भरे पानी में फंस गए और गाड़ियां रेंगती हुई नजर आईं.

मौसम विभाग की मानें तो राजधानी दिल्ली में आज दिनभर रुक-रुककर भारी बारिश का दौर जारी रहेगा. इसके साथ ही दिल्ली से सटे नोएडा में भी जमकर बारिश होगी. मौसम विभाग के मुताबिक, 25 अगस्त यानी रविवार तक हर दिन बारिश का दौर देखने को मिलेगा. जबकि 21-22 अगस्त को हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है. वहीं 23 से 25 अगस्त तक बादल छाए रहेंगे और इस दौरान रुक-रुक कर बारिश भी हो सकती है।

स्कूली बच्चों ने निकाली स्वच्छता एवं जागरूकता रैली

राजनांदगांव। डोंगरगढ़ विकासखंड के ग्राम पंचायत घोरदा में प्रत्येक शनिवार को नियत स्वच्छता त्यौहार के तहत अभियान चलाया गया, जिसमें स्कूली बच्चों द्वारा स्वच्छता एवं जागरूकता रैली निकाली गई है और लोगों को स्वछता के प्रति जागरूकता तथा व्यवहार परिवर्तन के संबंध में स्लोगन के माध्यम से रैली निकाल कर भ्रमण किया गया। इस दौरान कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह द्वारा ग्राम घोरदा के मुख्य चौक-चौराहों में ग्रामीणों के साथ मिलकर साफ-सफाई की गई एवं सभी ग्रामीणों से आग्रह किया गया कि सप्ताह में एक दिन शनिवार को अपने घर के आसपास एवं चौक-चौराहों की सफाई करें। उन्होंने कहा कि अपने ग्राम को हमेशा साफ-सफाई कर स्वच्छ रखें, जिससे अस्वच्छता से होने वाली बीमारी दूर होगी, डायरिया नहीं होगा। स्वच्छताग्राही दीदियों को सप्ताह में दो दिन शनिवार और बुधवार को कचरा संग्रहण करने के लिए प्रोत्साहित किए जाने का आग्रह किया। इस कड़ी में जिला पंचायत सीईओ द्वारा 6 दुकानदारों के द्वारा कूड़ादान नहीं रखने तथा दुकान के आसपास गंदगी पाए जाने पर 250 रूपए का जुर्माना लगाया गया और पंचायत के द्वारा चेतावनी दी गई कि भविष्य में गलती दोहराए जाने पर पुन: अर्थदंड लगाया जाएगा। सचिव ग्राम पंचायत को ग्राम में स्वच्छता नहीं रखने पर 500 रूपए की राशि पंचायती राज अधिनियम के तहत अर्थदंड वसूला गया। यह राशि स्वच्छग्राही समूह को प्रोत्साहन राशि के रूप में दिए जाने की सलाह दी।

नियद नेल्लानार योजना : ग्रामीणों की समस्याओं से रूबरू होने कलेक्टर ने लगाई चौपाल

कांकेर। राज्य शासन की महत्वाकांक्षी योजना नियद नेल्लानार योजना के बेहतर क्रियान्वयन की जमीनी हकीकत जानने कलेक्टर निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर ने आज जिले के कोयलीबेड़ा विकासखंड अंतर्गत दूरस्थ संवेदनशील इलाके में स्थित ग्राम पानीडोबीर में चौपाल लगाई और ग्रामीणों की समस्याओं से सिलसिलेवार रूबरू हुए। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने कलेक्टर के समक्ष अपनी मांगें एवं समस्याएं रखीं। कलेक्टर ने ग्रामीणों से कहा कि राज्य शासन की मंशा के अनुरूप नियद नेल्लानार योजना के माध्यम से बस्तर क्षेत्र के दूरस्थ अंचलों में अंतिम व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाना है।

भिलाई स्टील प्लांट में जलकर खाक हुआ एक टन गांजा, 3 करोड़ से ज्यादा का नशीला सामान नष्ट

दुर्ग रेंज के जिला दुर्ग, बालोद, बेमेतरा पुलिस द्वारा नारकोटिक्स एक्ट के तहत जब्त माल का किया गया नष्टीकरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। पुलिस मुख्यालय छत्तीसगढ़ के आदेश पर दुर्ग रेंज के तहत तीन जिलों दुर्ग, बालोद व बेमेतरा में नारकोटिक्स एक्ट के तहत जब्त नशीले सामान को मंगलवार को नष्ट किया गया। आईजी रामगोपाल गर्ग के दिशा निर्देश पर मंगलवार को जब्त शराब, नशीली टेबलेट, सिरप व गांजा नष्ट किया गया। दुर्ग पुलिस ने तीन जिलों में जब्त लगभग 1 टन गांजा भिलाई स्टील प्लांट की दमन भट्टी में जलाया गया। इस दौरान लगभग 3 करोड़ का नशीला सामान नष्ट किया।

बता दें पुलिस महानिरीक्षक दुर्ग रेंज राम गोपाल गर्ग के द्वारा रेंज अन्तर्गत जिलों में जब्त मादक पदार्थों के नष्टीकरण के लिए रेंज स्तर पर हाईलेवल ड्रग्स डिस्पोजल समिति गठित की गई थी। भिलाई इस्पात संयंत्र के एसएमएस-03 के में जलाकर नष्ट किया गया। इसके अलावा भिलाई इस्पात संयंत्र के मड़ौदा डेम के पास स्थान में Tripoliden Syrup, 9440 नग शीशी को बुलडोजर से कुचल कर गड्ढे में पाट कर विधिवत नष्टीकरण की कार्रवाई की गई।

इस दौरान दुर्ग रेंज के 141 प्रकरणों में प्रयुक्त मादक पदार्थों एवं नशीली दवाइयों को नष्ट किया गया है। जिसमें जिला दुर्ग से 79, बालोद 23 , बेमेतरा 39 प्रकरणों है । जिसमें गांजा- 989.303 किलोग्राम, 09 नग गांजा पौधा, हीरोइन 170.220 ग्राम, ब्राउन शुगर 225.764 ग्राम, टैबलेट 11,91,314 नग, कैप्सूल 4200 नग, सीरप 9440 शीशी थे। कार्रवाई में पुलिस महानिरीक्षक दुर्ग रेंज राम गोपाल गर्ग, पुलिस अधीक्षक दुर्ग जितेन्द्र शुक्ला, पुलिस अधीक्षक बालोद एसआर भगत, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दुर्ग सुखनंदन राठौर, डीएसपी पनिकराम कुजूर, डीएसपी शिल्पा साहू, सीएसपी सत्य प्रकाश तिवारी, डीएसपी सतीश ठाकुर, नन्द कुमार पटेल, प्रभारी पर्यावरण संरक्षक मंडल दुर्ग सहित बीएसपी के आलाधिकारी एवं बालोद, बेमेतरा, दुर्ग के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

चार करोड़ के गांजा-डोडा को किया जब्त, पुलिस की मौजूदगी में बायलर में किया नष्ट

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ में पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई की। सूरजपुर में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ पुलिस ने मोर्चा खोल रखा है। अवैध कारोबार पर रोक लगाने के लिए करीब चार करोड़ रुपये से ज्यादा के नशीले पदार्थ को नष्ट किया गया।

पुलिस ने जानकारी दी है कि जिले में कुल 1162.67 किलो का गांजा जब्त किया गया। वहीं 1650 नग गांजे का पौधा, 21.08 किलो डोडा चुराकर नष्ट किया गया। इस दौरान इंदिरा पावर जैन प्राईवेट लिमिटेड गिरवरगंज-नयनपुर जिला सूरजपुर में कमेटी के सदस्यों की मौजूद रहे।

पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज अंकित गर्ग की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाई गई थी ।जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए इंदिरा पावर प्लांट के बायलर में गांजा-डोडा चुरा डालकर नष्ट किया गया और बिजली का उत्पादन किया। सरगुजा रेंज में अब तक यह तीसरी बार है। जब गांजा नष्ट कर बिजली का उत्पादन किया गया है। कार्रवाई के दौरान सरगुजा रेंज आईजी अंकित गर्ग, डीआईजी एसएसपी सूरजपुर एमआर आहिरे (भापुसे), पुलिस अधीक्षक सरगुजा योगेश कुमार पटेल (भापुसे) मौजूद रहे। नष्ट किए गए नशीले पदार्थ की बाजार में कीमत करीब 4 करोड़ 31 लाख रुपये बताई जा रही है।

खास खबर

चेन पुलिंग के खिलाफ ऑपरेशन समयपालन, आरपीएफ ने तीन सप्ताह में 68 लोगों पर बनाया केस

रायपुर। रेलवे सुरक्षा बल, रायपुर मंडल के द्वारा ट्रेनो मे हो रहे अलार्म चैन पुलिंग की घटनाओं की रोकथाम के लिए ''ऑपरेशन समयपालन शुरू किया गया है। इस अभियान के तहत 1 अगस्त से 19 अगस्त 2024 तक 248 ड्राईव चलाकर अलार्म चेन पुलिंग का दुरुपयोग करने वाले 68 व्यक्तियों के खिलाफ रेल अधिनियम के तहत विधिक कार्रवाई की गई।

इसी प्रकार रेल यात्रियों की सुरक्षा एवं संरक्षा के लिए 'मिशन यात्री सुरक्षा के तहत अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत यात्री सामानो की चोरी के मामलो के अपराधियों पर नजर रखने एवं रेल परिक्षेत्र मे इनकी उपस्थिति पाये जाने पर शासकीय रेल पुलिस/स्थानीय पुलिस से समन्वय कर उनके विरूद्ध विधिक कार्यवाही किया जा रहा है। इसी क्रम मे रेलवे सुरक्षा बल रायपुर मंडल के द्वारा 1 अगस्त से 19 अगस्त 2024 तक 03 आदतन पॉकेटमार/यात्री सामानो की चोरी के अपराधियों को पकड़कर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 (बीएनएसएस) के तहत कार्यवाही हेतु संबंधित शासकीय रेल पुलिस/स्थानीय पुलिस को सुपुर्द किया गया है।

एनएच 30 पर आग का गोला बना ट्रक, हादसे में ड्राइवर और कंडक्टर घायल

जगदलपुर। केशकाल थाना क्षेत्र के अंतर्गत एनएच 30 पर एक चलता ट्रक में अचानक आग लग गई। ट्रक जगदलपुर से रायपुर की ओर लोहे की गिट्टी लोड करके जा रहा था। आग ने ट्रक के पिछले पहियों को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे पूरी तरह जलकर खाक हो गया। आग पर काबू पा लिया गया है।

सूचना मिलते ही केशकाल थाना प्रभारी विकास बघेल पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए कोंडागांव से दमकल वाहन भी बुलाया गया। स्थानीय लोगों ने भी आग बुझाने में मदद की। काफी देर बाद आग पर काबू पा लिया गया। घटना के कारण एनएच 30 पर यातायात प्रभावित हुआ है। लेकिन राहत की बात यह है कि कोई जनहानि नहीं हुई है। पूरी घटना केशकाल थाना क्षेत्र के बहीगांव में घटी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। हादसे में ड्राइवर और कंडक्टर घायल हुए हैं।

बीजापुर में गड्ढे में डूबने से 2 मासूम की मौत

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के दुगोली ग्राम पंचायत में खेलते-खेलते 2 मासूम बच्चियां डबरी में गिर गईं। हादसे में दोनों की मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि, दोनों बच्चियां परिजनों के साथ खेती-किसानी के काम से गई थीं। वे खेलते-खेलते डबरी (गड्ढा) के पास पहुंच गई और अंदर गिर गईं। हादसा दुगोली गांव के बीच पारा में हुआ है। हादसे में पदमा तेलम (06) और रंजना तेलम की मौत हुई है। बताया जा रहा है कि, परिजन हमेशा की तरह मंगलवार को भी दोनों बच्चियों को अपने खेत लेकर गए थे। परिवार के सदस्य खेती-किसानी के काम में जुट गए थे। दोनों बच्चियां खेलते हुए कुछ दूरी पर चली गईं थी। कुछ देर बाद जब बच्चे खेत में नहीं दिखे तो परिजन इन्हें ढूंढने लगे। फिर परिजन डबरी के पास पहुंचे, जहां दोनों बच्चियां पानी में बेसुध होकर तैरती हुई मिली। परिजनों ने दोनों को बाहर निकाला। सीधे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

छत्तीसगढ़ में महिला से गैंगरेप : 17 बदमाशों ने दिया वारदात को अंजाम, 6 आरोपी गिरफ्तार

■ **रायगढ़ जिले के पुसौर थाना क्षेत्र का मामला, मेला देखने गई थी महिला**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में महिला से हैवानियत का मामला सामने आया है। एक दो नहीं बल्कि पूरे 17 बदमाशों ने महिला के अपने हवस का शिकार बनाया और छोड़कर भाग गए। इस मामले में महिला ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के बाद पुलिस ने 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं शेष आरोपियों की तलाश जारी है।

यह पूरा मामला रायगढ़ जिले के पुसौर थाना क्षेत्र का है। रक्षाबंधन के दिन शाम को कसाईपाली गांव में मेला देखने जाने निकली महिला को रास्ते में कुछ युवकों ने रोका। युवकों ने महिला को डराया धमकाया और सुनसान स्थान पर ले गए। यहां पर युवकों ने बारी बारी महिला से दुष्कर्म किया। दुष्कर्म के बाद सभी महिला को छोड़कर फरार हो गए। घटना के बाद मंगलवार को महिला थाने पहुंची और अपने साथ हुई हैवानियत की शिकायत दर्ज कराई। महिला ने बताया कि कुल 17 युवकों ने उससे दुष्कर्म किया।

6 आरोपी गिरफ्तार, शेष की तलाश जारी

शिकायत के बाद पुलिस ने धारा 70 (1), 351 (2) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज करते हुए आसपास के गांव में दबिश दी। इस दौरान पुलिस ने 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और अन्य आरोपियों की पतासाजी में जुट गई है। बताया जा रहा है कि घटना के अलग अलग तीन गांव के युवक शामिल रहे। इनमें से कुछ नाबालिग भी हैं। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस लगातार आरोपियों की पतासाजी में जुटी हुई है। पुसौर पुलिस ने बताया कि जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

शराब पीने से मना करने पर युवक की हत्या, नाबालिग सहित तीन गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में शराब पीने से मना करने पर युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी। हत्या करने वाले युवक के दोस्त ही हैं जिन्होंने विवाद के बाद चाकू मार दिया। दरअसल मृतक अपने तीन अन्य दोस्तों के साथ बैठकर शराब पी और घर जाने लगा। इसके बाद तीनों ने उसे और शराब पीने कहा। युवक ने मना किया तो विवाद हुआ। पुलिस ने इस मामले में नाबालिग सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

मिली जानकारी के अनुसार घटना तिफरा के इंद्रपुरी में रहने वाली गुलाब बाई रात्रे रोजी मजदूरी करती है। सोमवार को रक्षाबंधन पर उनकी बेटी पूनम और दामाद घर आए थे। उसका बेटा सौरभ रात्रे (20) अपनी बहन से मिलकर राखी बंधवाने के बाद दोस्तों के साथ घूमने निकल गया। इस दौरान नाबालिग समेत चारों दोस्तों ने मिलकर रात में शराब पी। इसके बाद वह घर आ रहा था, तभी रास्ते में उसके नाबालिग दोस्त और 2 अन्य युवक फिर शराब पीने के लिए कहने लगे। सौरभ ने जल्दी घर जाने की बात कहकर शराब पीने से मना कर दिया।

घायल को अस्पताल नहीं ले गई पुलिस

दोस्त की बात को सुनकर तीनों आरोपी भड़क गए। उससे विवाद शुरू कर दिया। आरोपियों ने चाकू निकाला और उसके पेट में घोंप दिया। सौरभ खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर गया। घायल सौरभ खून से लथपथ होकर दौड़ते-भागते घर पहुंचा। उसने अपनी मां और जीजा को पूरी घटना की जानकारी दी। उसकी हालत देखकर परिजन घबरा गए। समय पर अस्पताल नहीं ले जाने के कारण युवक की मौत हो गई। घटना की जानकारी के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने पुलिस ने नाबालिग लड़के को पकड़कर पूछताछ की। इस दौरान आरोपी ने वारदात की पूरी कहानी और अपने दूसरे दोस्तों के ठिकाने की जानकारी दी। मंगलवार को पुलिस ने ओमप्रकाश सोनवानी (20) और अशोकदास मानिकपुरी (19) को भी पकड़ लिया। पुलिस मामले में पूछताछ कर रही है, जल्द खुलासा करेगी।

छत्तीसगढ़ में स्टील कारोबारी के बेटे की गोली मारकर हत्या

■ **गांधी नगर थाना क्षेत्र का मामला, बंद कार में मिली लाश, हिरासत में आरोपी**

श्रीकंचनपथ न्यूज

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में स्टील कारोबारी के बेटे की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मंगलवार को कार से निकलने के बाद वह वापस नहीं लौटा। परिजनों ने इसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज कराई थी। वहीं बुधवार की सुबह बंद कार में युवक की लाश मिली है। पुलिस ने कार का कांच तोड़कर शव को बाहर निकाला। वहीं पुलिस ने इस हत्या के मामले में एक संदेही को हिरासत में लिया है। यह पूरा मामला यहां के गांधी नगर थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार अंबिका स्टील के संचालग महेश केडिया का पुत्र अक्षत अग्रवाल की गोली मारकार हत्या कर दी गई है। अक्षत अग्रवाल की लाश बुधवार की सुबह चठिरमा के जंगल में उसी की कार के अंदर में पड़ी मिली। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने कार का कांच तोड़कर डोर अनलॉक किया। । युवक के पेट एवं सीने से खून निकला हुआ है एवं गाड़ी के शीशों में भी खून के छींटे लगे हैं। उसे रिवाल्वर सटाकर 3 गोली मारी गई है। इसमें दो गोली सीने में एवं एक गोली पेट में लगी है। पुलिस ने शव को बाहर निकालने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

मंगलवार की शाम को निकला था अक्षत

परिजनों ने पूछताछ में बताया कि अक्षत मंगलवार की शाम से कार लेकर निकला था, जिसके बाद घर नहीं लौटा। परिजनों ने काफी तलाश की, जब अक्षत नहीं मिला तो इसकी शिकायत थाने में दर्ज कराई गई। परिजनों ने पुलिस को बताया अक्षत पूर्व में काम करने वाले संजीव मंडल के साथ निकला था। पुलिस ने संदेही संजीव मंडल को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। पूछताछ में उसने हत्या की बात मानी है। हत्या के बाद आरोपी संजीव मंडल ने मृतक अक्षत केडिया के सोने की चेन, नगदी रकम भी ली। माना जा रहा है कि हत्या की यह वारदात लूटपाट के इरादे की गई है। गांधी नगर पुलिस जल्द ही इस हत्याकांड के सभी पहलुओं का खुलासा करेगी।

शराब के नशे में झगड़ा, डंडे से पीटकर दोस्त की हत्या

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में एक प्लांट में काम करने वाले दो श्रमिकों के बीच शराब के नशे में उपजे विवाद के बाद एक ने दूसरे को डंडे से पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करते हुए आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। मामला पूंजीपथरा थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के अनुसार रायगढ़ जिले के पूंजीपथरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले जीवन स्टील में काम करने वाले दो श्रमिकों जयसिंह 58 साल निवासी आमागांव पेड्रा रोड बिलासपुर और विलियम भगत निवासी झारखण्ड के बीच सोमवार की शाम पैसा और मोबाइल की बात को लेकर विवाद हो गया। देखते ही देखते यह विवाद मारपीट में बदल गया और फिर विलियम भगत ने डंडे से जयसिंह के सिर पर ताबड़तोड हमला करना शुरू कर दिया। इस घटना की जानकारी जैसे ही प्लांट के अन्य श्रमिकों को हुई तो उन्होंने बीच बचाव करते हुए घायल जयसिंह को तत्काल जिला अस्पताल रायगढ़ लाकर भर्ती कराया गया जहां प्रारंभिक उपचार में ही मौके पर मौजूद डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि दोनों ही श्रमिक बीते डेढ़ साल से प्लांट के अंदर रहकर काम करते आ रहे थे। सोमवार शाम दोनों ने साथ में बैठकर शराब सेवन किया था जिसके बाद विवाद हो गया। इस घटना के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करते हुए आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

युवक पर कटर से वार, दोस्त ने ही दिया वारदात को अंजाम, गंभीर रूप से घायल

■ **दुर्ग कोतवाली थाना क्षेत्र का मामला**

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कोतवाली थाना क्षेत्र के राजीव नगर में सोमवार की आधी रात को बर्थडे पार्टी के दौरान युवक पर उसके ही दोस्त ने कटर से वर कर दिया। दोनों कार से बर्थडे मनाने पहुंचे थे और इस दौरान उनके कुछ और साथी भी मौके पर थे। कटर से वार करने के बाद आरोपी फरार हो गया। वहीं घायल युवक को वहां मौजूद अन्य युवकों ने जिला अस्पताल पहुंचाया। जिला अस्पताल से उसे भिलाई के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार तीन बस्ती चौक डॉक्टर दुकान के पास बीती देर रात डेढ़ से दो बजे के करीब की घटना है। वहां कुछ लड़के अपने दोस्त का बर्थडे मना रहे थे। इस बीच दौरान वहीं का रहने वाला सौरभ साहू और राहुल वैद्य कार से बर्थडे मनाने आए थे। बताया जा रहा है कि सौरभ ने चौक से तीन और लड़कों को कार में बिठाया। कुछ दूर पहुंचे ही थे कि एक को उल्टी होने लगी। इस बीच सौरभ ने अचानक उसके गले में कटर से वार कर दिया। कटर के वार से वह लहुलूहान होकर गिर पड़ा।

इसके बाद अन्य साथियों ने सौरभ साहू का हटाया। राहुल वैद्य की हालत देख सौरभ साहू अपनी कार छोड़कर भाग गया। इधर राहुल वैद्य को गंभीर हालत में उसके अन्य साथी पहले जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां से उसे रेफर कर दिया गया। इसके बाद उसे भिलाई के हाईटेक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल में राहुल वैद्य आईसीयू में है और जहां उसकी हालत सुधार हो रहा है।

मिस कॉल, नमो एप से ले सकेंगे भाजपा की सदस्यता - अरूण सिंह

जहां हम कमजोर वहां सदस्यता पर देंगे विशेष ध्यान - मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के देशव्यापी सदस्यता अभियान के परिप्रेक्ष्य में मंगलवार को यहां कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में प्रदेश स्तरीय बैठक/कार्यशाला आयोजित की गई। बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री अरूण सिंह के साथ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय और सदस्यता अभियान के प्रदेश प्रभारी अनुराग सिंहदेव ने उपस्थित पदाधिकारियों व जनप्रतिनिधियों का मार्गदर्शन किया।

भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री अरूण सिंह ने अपने मार्गदर्शन में कहा कि यह संगठन पर्व की शुरुआत है और इसमें पूरे उत्साह और उमंग के साथ मनाया जाना है। आज हमारे लिए वातावरण अनुकूल है। देश में श्री नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्रित्व में तीसरी बार सरकार बनी है और प्रदेश में भी भाजपा की सरकार है। पिछली सदस्यता समाप्त हो गई है,अब फिर से सभी को सदस्य बनाकर,भारत के विकसित देश बनने की यात्रा में सहभागी बनाना है। देश की आजादी के बाद जो नीतियां थीं, वह देश के अनुकूल नहीं थी। डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी कश्मीर के मुद्दे पर शहीद हो गए। यह ध्यान रखें कि जनसंघ का गठन जिस भाव से हुआ वह सभी के बीच पहुंचे। भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री श्री सिंह ने कहा कि आज भाजपा कार्यकर्ताओं की तपस्या और त्याग के बल पर ही सबसे बड़ी पार्टी बनी है। हमने कभी विचारधारा के साथ कोई समझौता नहीं किया। धारा 370 खत्म करके , लाल चौक पर राष्ट्रीय ध्वज फहराकर हमने अपनी इसी वैचारिक प्रतिबध्दता का परिचय दिया है। एक पर्व की तरह हम इस सदस्यता अभियान को मनाएं। श्री सिंह ने 2014, 2019 से लेकर अब तक के सदस्यता अभियान की जानकारी देकर बताया कि पार्टी की सदस्यता ऑनलाइन इस बार भी होगी। सदस्यता के लिए जाते समय साहित्य के साथ सरकार की उपलब्धियां बताना है और पार्टी के उत्कृष्ट चाल, चरित्र, चेहरे के बारे में भी बताएं। ऑनलाईन सदस्यता के संबंध में विस्तार से चर्चा करते हुए श्री सिंह ने कहा कि जिन सदस्यों के पास स्मार्ट फोन नहीं है, वे मिस्ड कॉल करेंगे। इसके बाद उनके पास लिंक आएगा जिसे अन्य सदस्य के स्मार्ट फोन पर भेजकर सदस्यता ले सकेंगे। श्री सिंह ने कहा कि सदस्यता अभियान के लिए 31 अगस्त तक बूथ स्तर पर बैठकें करनी है। सदस्यता के विभिन्न चरणों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि सदस्यता विस्तारक अब सदस्यता सहयोगी होंगे। सभी बूथों पर सांसदों, विधायकों, जि.पं. अध्यक्षों, महापौरों को भी लक्ष्य दिए जाएंगे और सभी बूथ स्तर तक जाएंगे। प्रत्येक लोकसभा क्षेत्र में 100 विशिष्ट जनों को सदस्य बनाना है। अटल जी के जन्म शताब्दी वर्ष के निमित्त 20 सदस्य बनाना है। इसके बाद सक्रिय सदस्यता के लिए काम होगा। सक्रिय सदस्य के संबंध में प्रदेश और जिला अध्यक्ष निर्णय लेंगे।

भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री अरूण सिंह ने कहा कि सभी पार्टी कार्यालयों में सदस्यता अभियान संगठन पर्व की जानकारी अलग अलग माध्यमों से दे, सोशल मीडिया में पोस्ट करें, इससे वातावरण बनेगा तो सदस्य संख्या में अप्रत्याशित वृध्दि होगी। इस संबंध में किसी भी बिन्दु पर केन्द्रीय कार्यालय में हेल्प सेंटर से संपर्क कर मार्गदर्शन ले सकेंगे। श्री सिंह ने कहा कि सदस्यता मिस कॉल, नमो एप और क्यूआर कोड से ली जाएगी। इसमें अपना पूरा लोकेशन और पता अवश्य देना होगा। जिन क्षेत्रों में नेटवर्क बिल्कुल नही है, वहां प्रादेशिक टीम सुनिश्चित करेगी कि वहां पेपर सदस्यता ही स्वीकार होगी।

बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि इस सदस्यता अभियान को संगठन पर्व के रूप में मनाना है। विधानसभा और लोकसभा चुनाव में भाजपा सफल रही है और प्रदेश व केन्द्र में भाजपा की सरकार बनी है। सभी कार्यकर्ताओं को समय देकर इस अभियान को सफल बनाना है। सदस्यता अभियान में हमें उन क्षेत्रों पर फोकस करना है जहां हम कमजोर रहते है और सभी समाज व सभी वर्गों का समर्थन हासिल करना है। इस दौरान प्रदेश और केन्द्र सरकार की उपलब्धियों की चर्चा की जाए और साथ ही पार्टी के भावी कार्यक्रमों, योजनाओं के बारे में बताया जाए। श्री साय ने कहा कि भाजपा सरकार भ्रष्टाचार मुक्त छत्तीसगढ़ के लिए काम कर रही हैं और भ्रष्टाचार के दोषी सीखचों के पीछे जा रहे है। इस तरह भाजपा के प्रति बढ़ते विश्वासपूर्ण वातावरण का लाभ उठाकर हम सदस्यता अभियान को सफल बनाए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए कहा कि आज यह कार्यशाला बहुत महत्वपूर्ण है। सदस्यता अभियान की इस कार्यशाला में सदस्यता के विभिन्न चरणों का कुशल सम्पादन करने के संबंध में हम सब सक्रिय हो। हमारा सबसे प्रमुख कार्यक्रम सदस्यता अभियान है।

[खास खबर]

स्व. वामनराव लाखे की पुण्यतिथि पर सीएम ने किया नमन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्वर्गीय वामनराव लाखे की 21 अगस्त को पुण्यतिथि पर उन्हें नमन किया है। श्री साय ने उनके अमूल्य योगदान को याद करते हुए कहा है कि श्री लाखे ने छत्तीसगढ़ में सहकारिता के माध्यम से किसानों सहित लाखों लोगों के आर्थिक विकास की मजबूत आधारशिला रखी। उन्होंने रायपुर में सहकारी बैंक की स्थापना की। राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान उन्होंने छत्तीसगढ़ में जन-जागरण के लिए अपना अमूल्य योगदान दिया। खादी के प्रचार-प्रसार के साथ शिक्षा के विकास के लिए भी वे सक्रिय रहे। छत्तीसगढ़ में पहली मासिक पत्रिका के प्रकाशन का श्रेय भी लाखे जी को जाता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि लाखे जी आजीवन सहकारी संगठनों की मजबूती के लिए लगे रहे। उनके प्रयासों का ही परिणाम है कि आज सहकारिता के माध्यम से लाखों लोगों के रोजगार और आगे बढ़ने का सपना सच हो रहा है। सहकारिता के क्षेत्र में श्री लाखे जी का योगदान सदा याद किया जाएगा।

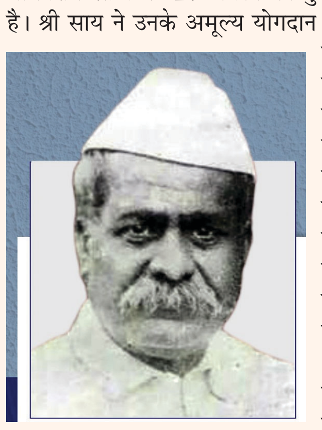

'टैलेन्ट तिहारः प्रतिभा को पंख' कार्यक्रम का होगा आयोजन

जांजगीर चांपा। जिला प्रशासन द्वारा कलेक्टर आकाश छिकारा के निर्देशन में जिले में प्रतिभाओं को निखारने एवं पहचानने ''टैलेन्ट तिहारः प्रतिभा को पंख'' कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जिला स्तरीय कार्यक्रम 28 अगस्त से 30 अगस्त तक जांजगीर मुख्यालय स्थित ऑडिटोरियम में आयोजित किया जाएगा। संयुक्त कलेक्टर एवं जिला खेल अधिकारी ने बताया कि संकुल स्तर पर प्राथमिक, पू.मा. एवं हाई, हायर सेकेण्डरी, के बच्चे शामिल होंगे। संकुल स्तर पर प्राथमिक, पू.मा. एवं हाई, हायर सेकेण्डरी के चयनित बच्चे तथा महाविद्यालय के छात्र, छात्रा और ग्राम एवं नगर के महिला पुरूष जिनकी उम्र 15 से 40 वर्ष तक शामिल होगे। विकासखण्ड स्तरीय कार्यकम के आयोजन में संकुल स्तर में प्रथम स्थान प्राप्त प्रतिभागी शामिल होंगे। अधिक जानकारी के लिए खेल एवं युवा कल्याण विभाग से संपर्क कर सकते हैं। ''टैलेन्ट तिहारः प्रतिभा को पंख'' का आयोजन चर स्तर पर आयोजित किया जाएगा। जिसके तहत 21 अगस्त से 22 अगस्त तक स्कूल स्तर पर, 23 अगस्त से अगस्त को संकुल स्तर पर, 25 व 26 अगस्त को विकासखण्ड स्तर पर तथा 28 अगस्त से 30 अगस्त को जिला स्तर पर आयोजित होगा।

22 को वृहद वृक्षारोपण अभियान

जांजगीर-चांपा। कलेक्टर आकाश छिकारा के निर्देशन एवं जिला पंचायत गोकुल रावटे के मार्गदर्शन में जिले में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत 22 अगस्त को वृहद वृक्षारोपण किया जाएगा। एक पेड़ मां के अभियान के माध्यम से नागरिक पेड़ों के साथ तस्वीर लेने के बाद उसे लाईव पोर्टल में अपलोड कर सकते हैं। एक पेड़ मां के नाम अभियान के माध्यम से पर्यावरण को संरक्षित और सुरक्षित बनाने का कार्य महात्मा गांधी नरेगा एवं अन्य क्रियान्वयन एजेंसी वन विभाग, उद्यानिकी, रेशम, वाटरशेड के समन्वय से वृहद पैमाने पर वृक्षारोपण किया जाएगा। कार्यक्रम में व्यापक वृक्षारोपण अभियान चलाया जाएगा। अभियान के तहत गांव के सार्वजनिक स्थलों में गांव के बुजुर्ग, जागरूक नागरिक, आंगनबाड़ी, स्कूल में, महात्मा गांधी नरेगा के हितग्राही के माध्यम से जिन्होंने डबरी निर्माण किया हो, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण पूर्ण आवासों के हितग्राहियों के माध्यम से वृक्षारोपण किया जाएगा।

जनमन का मेगा शिविर 23 को

नारायणपुर। प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान के अंतर्गत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विभिन्न राज्यों के लाभार्थियों के साथ सितंबर 2024 के प्रथम सप्ताह में संवाद का कार्यक्रम आयोजित है, जिसमें छत्तीसगढ़ राज्य भी सम्मिलित है। यह कार्यक्रम 15 जनवरी 2024 को आयोजित कार्यक्रम के समान प्रारुप पर आधारित होगा। राष्ट्रीय मेगा ईवेंट का आयोजन झारखण्ड राज्य के चयनित एक जिले में होना है। इस आयोजन में प्रधानमंत्री देश के सभी पीवीटीजी बसाहट वाले जिलों को संबोधित करते हुए टू वे कनेक्टिविटी के माध्यम से संवाद स्थापित करेंगे। प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत आने वाले जिलो में से एक जिले को राज्य स्तरीय मेगा ईवेंट के लिए चिन्हित किया जाएगा। यह स्थान छत्तीसगढ़ में कार्यक्रम का मुख्य बिंदू होगा। मेगा इवेंट के अतिरिक्त बाकी सभी पीएम जनमन के जिलों में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित होंगे, जिसमें पीवीटीजी एवं अन्य जनजातीय लाभार्थी उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में झारखण्ड राज्य से प्रधानमंत्री का भाषण और संवाद सुचारु रुप से देखने और सुनने के लिए जिले में टू वे कनेक्टिविटी की आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है।

जनसम्पर्क विभाग की प्रदर्शनी बनी आकर्षण का केन्द्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। 78वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में राजधानी रायपुर के कचहरी चौक स्थित टाउन हॉल में जनसंपर्क विभाग द्वारा आयोजित 7 दिवसीय छायाचित्र प्रदर्शनी को बेहतर प्रतिसाद मिल रहा है। इस प्रदर्शनी को देखने के लिए प्रतिदिन बड़ी संख्या में स्कूली विद्यार्थी और विभिन्न वर्ग समुदाय के लोग टाउन हॉल पहुंच रहे हैं। यहां प्रदेश सरकार की उपलब्धियों एवं देश के स्वतंत्रता आंदोलन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले छत्तीसगढ़ के महान क्रांतिकारियों की स्मृतियों को बड़े ही आकर्षक ढंग से प्रदर्शित किया गया है। यह प्रदर्शनी में स्कूली विद्यार्थियों और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले प्रतिभागियों के लिए ज्ञानवर्धक है।

प्रदर्शनी देखने के लिए यहां प्रतिदिन आने वाले स्कूली विद्यार्थियों के मध्य क्विज प्रतियोगिता एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन तथा विजयी प्रतिभागियों को तत्काल मिलने वाले पुरस्कार से प्रदर्शनी को लेकर स्कूली विद्यार्थियों और युवाओं में रूझान बढ़ा है। क्विज प्रतियोगिता एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता के सुव्यवस्थित आयोजन के लिए इस क्षेत्र के अनुभवी अनंत विकास अपनी सेवाएं दे रहे हैं। स्कूली विद्यार्थियों के मध्य आयोजित उक्त दोनों प्रतियोगिताओं में छत्तीसगढ़ के इतिहास, भूगोल, पुरातत्व, पर्यटन, संस्कृति, लोक कला, खेती-किसानी सहित अन्य विषय पर आधारित प्रश्न पूछे जाते हैं और सही उत्तर देने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जाता है।

भिलाई की रहने वाली नर्सिंग की छात्रा सुश्री चेतना साहू टाउन हॉल पहुंची। प्रदर्शनी के अवलोकन के बाद उन्होंने कहा कि ऐसी रोचक और ज्ञानवर्धक प्रदर्शनी पहली बार देखी है, जिसमें छत्तीसगढ़ के वीर क्रांतिकारियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई है। यह लोगों और विशेष कर युवाओं के लिए ज्ञानवर्धक व उपयोगी है। उन्होंने बताया कि शासन की योजनाओं की जानकारी सिर्फराज्योत्सव के स्टाल में देखने को मिलती थी। छायाचित्र प्रदर्शनी के माध्यम से लोगों में जागरूकता लाने का यह प्रयास सराहनीय है। अधिवक्ता सुरेंद्र वर्मन ने बताया कि छत्तीसगढ़ के वीर सपूतों और पुरोधाओं के बारे में रोचक और ज्ञानवर्धक जानकारियां छायाचित्र में प्रदर्शित की गई है, जो नई पीढ़ी और युवाओं के लिए प्रेरक है।

उल्लेखनीय है कि इस प्रदर्शनी का शुभारंभ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के मौके पर किया था। सात दिवसीय यह प्रदर्शनी 21 अगस्त तक चलेगी। छायाचित्र प्रदर्शनी में आजादी की लड़ाई में छत्तीसगढ़ के क्रांतिकारियों का योगदान और उनके महत्वपूर्ण दस्तावेज, स्वतंत्रता आन्दोलन के दौरान उनकी जीवन यात्रा, जंगल सत्याग्रह, भारत छोड़ो आन्दोलन एवं स्वतन्त्रता आंदोलन से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों में उनके योगदानों को प्रदर्शित किया गया है। इसके अलावा राज्य सरकार द्वारा संचालित की गई है। मुख्य योजनाओं महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, रामलला दर्शन योजना, कृषक उन्नति योजना, महिला सशक्तीकरण, पीएम जनमन योजना, मुख्यमंत्री जनदर्शन आदि प्रमुख रूप से शामिल है। प्रदर्शनी में अयोध्या के भव्य राम मंदिर में विराजित रामलला की प्रतिमूर्ति रखी गई है। प्रदर्शनी स्थल पर प्रदेश सरकार की उपलब्धियों पर आधारित डाक्यूमेंट्री फिल्म का प्रदर्शन किया जा रहा है।

पिछड़ी जनजाति वाली बसाहटों में चलेगा विशेष अभियान

अगले महीने होगा 18 जिलों में वृहद आयोजन, पीएम मोदी वर्जुअली करेंगे संवाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के पहल पर छत्तीसगढ़ में विशेष पिछड़ी जनजाति बहुल बसाहटों में राज्य और केन्द्र सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए विशेष अभियान चलेगा। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा द्वारा राज्य के 18 जिलों में आगामी सितम्बर माह में इसके लिए मेगा ईवेंट और आईईसी कैंपेन चलाने के लिए दिशा-निर्देश दिए गए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सितंबर 2024 के प्रथम सप्ताह में ऐसे आयोजनों में वर्चुअल रूप से शामिल होकर विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों के साथ संवाद करेंगे।

आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने बताया कि पीएम जनमन योजना के तहत झारखंड में आयोजित किए जा रहे राष्ट्रीय मेगा ईवेंट में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शामिल होंगे तथा देश के सभी पीवीटीजी बसाहट वाले जिलों को संबोधित करते हुए टू वे कनेक्टिविटी के माध्यम से संवाद स्थापित करेंगे। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में विशेष पिछड़ी जनजाति वाले किसी एक जिले का राज्य स्तरीय मेगा ईवेंट के लिए चिन्हित किया जाएगा।

श्री बोरा ने बताया कि मेगा ईवेंट के अतिरिक्त बाकी सभी पीएम-जनमन के जिलों में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित होंगे। इन सभी आयोजनों में झारखण्ड राज्य से प्रधानमंत्री का संबोधन और संवाद सुचारु रुप से देखने और सुनने के लिए टू-वे-कनेक्टिविटी की आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही है। इन आयोजनों में स्थानीय विधायकगण और अन्य जनप्रतिनिधि शामिल होंगे। कार्यक्रम में केन्द्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत विशेष पिछड़ी जनजाति को लाभान्वित किया जाएगा। इस दौरान सास्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा।

श्री बोरा ने बताया कि लाभार्थी सतृप्ति शिविरों का आयोजन 23 अगस्त से 10 सितंबर तक किया जाना है। इन शिविरों के माध्यम से आधार कार्ड, जनधन खाता, आयुष्मान कार्ड, वन अधिकार पत्र राशन कार्ड, जाति प्रमाण पत्र पीएम किसान सम्मान निधि, पीएम मातृत्व वंदना योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, सिकलसेल की जांच एव मूलभूत स्वास्थ्य सुविधाएं आदि में संतृप्ति की जानी है। इसका उद्देश्य सभी पीवीटीजी बसाहटों में तात्कालिक गतिविधियों की शत-प्रतिशत संतृप्ति की जानी है।

लाभार्थी संतृप्ति शिविर गहन रूप से सभी पीवीटीजी बसाहटों, जिलों में चलाए जाएंगे। इस लाभार्थी संतृप्ति शिविर का मुख्य फोकस यूआईडीएआई के तहत नामांकन एवं आधार कार्ड जारी करना पीएम जनधन के तहत बैंक खाता खोलना, सभी पात्र लाभार्थिया का आयुष्मान भारत कार्ड बनाना, सभी पीवीटीजी को सामुदायिक प्रमाण पत्र जारी करना वन अधिकार पत्र जारी करना तथा पीवीटीजी बसाहटों में सिकल सेल बिमारी की जांच आदि कार्य किए जाएंगे। पीएम-जनमन के अंतर्गत स्वीकृत गतिविधियों जैसे प्रधानमंत्री आवास (ग्रामीण), संपर्क सड़क, मोबाइल मेडिकल यूनिट, नल से जल, विद्युतिकरण आदि की जानकारी दी जाएगी।

जनमन योजना का मिले सौ फीसद लाभ

सीएम जनदर्शन के आवेदनों का हो गुणवत्तापूर्ण निवारण- कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलौदाबाजार। कलेक्टर दीपक सोनी ने संयुक्त जिला कार्यालय के सभागार में समय -सीमा की बैठक में विभागीय कार्यो की समीक्षा की। उन्होंने मुख्यमंत्री जनदर्शन अंतर्गत विभागों को प्राप्त आवेदनों का सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ गुणवत्तापूर्ण निराकरण समय-सीमा में करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने केंद्र एवं राज्य शासन के महत्वकांक्षी योजनाओं के क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा करते हुए जरुरी निर्देश दिए।

कलेक्टर ने जल जीवन मिशन अंतर्गत हर घर जल की प्रगति की समीक्षा करते हुए जल स्त्रोत चयन के लिए शेष 171 स्थलों का शीघ्र चयन करने तथा जिन ग्रामों में शत प्रतिशत कार्य पूर्ण हो गया है उनमें सहकारी समिति के माध्यम से संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले में शुरू किये गए नवाचारी कार्यक्रम संपर्क के माध्यम से लोगों द्वारा बताए गए समस्याओं की जानकारी लेने तथा निराकरण की जानकारी उसी माध्यम से देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि फोन से प्राप्त समस्या को सम्बंधित विभाग को तत्काल सूचित करें। कलेक्टर ने पीएम जनमन योजना के तहत विशेष पिछडी जनजाति के लोगों को शासन की योजनाओं से शत प्रतिशत लाभान्वित करने कहा। उन्होंने बल्दाकच्छार और औराई के विशेष पिछडी जनजाति कमार परिवारों के सदस्यों का आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड बनाने अभियान चलाने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर जनदर्शन,सीपी ग्राम्स,जन शिकायत पीजीएन एवं लोक सेवा गारंटी आदि के माध्यम से प्राप्त आवेदनों का निराकरण के साथ ही आयुष्मान भारत,पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना, दीनदयाल अत्योदय योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, पीएम आवास योजना (ग्रामीण), स्वच्छ भारत अभियान (शहरीय) पीएम जन औषधि केंद्र, पीएम सौभाग्य योजना की समीक्षा की गई।

शिविर लगाकर दी जाएगी कल्याणकारी कार्यों की जानकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

नारायणपुर। कलेक्टर विपिन मांझी ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष में समय सीमा बैठक ली। उन्होंने निर्देश दिए कि नीति आयोग द्वारा संचालित जनकल्याणकारी कार्यों को जिले के पहुंचविहीन क्षेत्रों के ग्रामीणों तक पहुंचाने के लिए हाट बाजारों में शिविर लगाकर जानकारी देना सुनिश्चित करें। उन्होंने मौसमी बिमारियों की रोकथाम के लिए जिले के सभी आश्रम छात्रावास और आंगनबाड़ी केन्द्रों के बच्चों का नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराने के निर्देश सीएमएचओ डॉ. टीआर कुंवर को दिए।

उन्होंने सहायक आयुक्त आदिवासी विकास को निर्देशित करते हुए कहा कि जिले के आश्रम छात्रावासों में पदस्थ अधीक्षकों को मुख्यालय में निवास करने एवं बच्चों का मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य परीक्षण करवाकर दवाइयां उपलब्ध कराएं। कलेक्टर श्री मांझी ने नियद नेल्लानार योजनातंर्गत स्वीकृत निर्माण कार्यो को शीघ्र पूर्ण कराने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने सहायक आयुक्त आदिवासी विकास को निर्देशित करते हुए कहा कि मसपुर के गोटुल को पक्का बनाना सुनिश्चित करें। उन्होंने आश्रम छात्रावास के निरीक्षण हेतु बनाए गये नोडल अधिकारियों को 24 अगस्त से पूर्व निरीक्षण कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिये हैं।

कलेक्टर श्री मांझी ने समय सीमा के लंबित प्रकरणों एवं पत्रों की गहन समीक्षा करते हुए अधिकारियों से कहा कि समय सीमा मे प्रकरणों का निराकरण करना सुनिश्चित करें ताकि राज्य शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ जिले के ग्रामीणों को समय पर मिल सके। उन्होंने नियद नेल्लानार, प्रधानमंत्री आवास तथा वर्ष 2024-25 के लिए पहुचविहीन केन्द्रों में मध्यान्ह भोजन, पूरक पोषण आहार और राशन सामग्री भण्डार और हाईस्कूल कोहकामेटा के भवन निर्माण के संबंध में लोक निर्माण विभाग को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में की गई कस्टम मिलिंग, चावल योजनांतर्गत चावल जमा किये जाने, धान उपार्जन केन्द्रों और ग्राम पंचायतों में चल रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई। उन्होंने राज्य सरकार के द्वारा निर्यात को बढ़ावा दिये जाने अधोसंरचना विकास के लिए प्रस्ताव बनाने के निर्देश दिए। जिले में स्वीकृत आंगनबाड़ी केन्द्रों के संचालन के लिए कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं के रिक्त पदो में शीघ्र भर्ती करने के निर्देश महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी को दिए। उन्होंने पशुधन विकास विभाग के उप संचालक को निर्देशित करते हुए कहा कि पशुधनों को बीमारियों से बचाने के लिए शिविर लगाकर टीकाकरण कराएं। उन्होंने नारायणपुर मेन रोड़ पुलिया निर्माण कार्य एवं पेयजल विद्युतीकरण सड़क निर्माण आदि लंबित कार्यो को पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने लोक स्वास्थ्य विभाग के कार्यपालन अभियंता को निर्देशित करते हुए कहा कि नियद नेल्लानार योजनातंर्गत स्वीकृत कार्यो को गंभीरतापूर्वक पूर्ण कराएं।

अपर कलेक्टर बीरेन्द्र बहादुर पंचभाई ने जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि नियद नेल्लानार अंतर्गत प्राप्त आवेदनों को डेस बोर्ड में अनिवार्य रूप से अपलोड कराएं। निर्माणाधीन स्कूल भवनों सहित मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने निर्देशित किये। उन्होंने प्रधानमंत्री जनमन योजनांर्गत जिले में 23 अगस्त से 10 सितंबर तक शिविर लगाकर आधार कार्ड, जनधन खाता, आयुष्मान कार्ड, वनाधिकार पत्र, राशन कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदन योजना से हितग्राहियों को लाभान्वित किये जाने हेतु निर्देशित किये। उन्होंने कहा कि विकासित भारत संकल्प यात्रा योजना के तर्ज पर शिविर आयोजित कर मोबाइल मेडिकल यूनिट से अंदरूनी क्षेत्रों के ग्रामीणों को लाभान्वित करना सुनिश्चित करें। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के डीएमसी को निर्देशित कहा कि संक्रामक रोगों से बचाव के लिए ग्राम पंचायतों में शिविर लगाकर दवाइयां एवं मच्छरदानी वितरण कराने के निर्देश दिये। नल कनेक्शन पहुंचाने का कार्य शीघ्र पूर्ण कराएं। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जनदर्शन में प्राप्त हुए आवेदनों का शीघ्र निराकरण कराएं।

बैठक में संयुक्त कलेक्टर अभिषेक गुप्ता, एस.डी.एम. अभयजीत मंडावी, डिप्टी कलेक्टर डॉ. सुमित गर्ग, सहायक आयुक्त बद्रीश सुखदेवे, जिला शिक्षाधिकारी लखनलाल धनेलिया, जिला कोषालय अधिकारी हरीश साहू, उप संचालक कृषि बीएस बघेल, जनपद सीईओ नारायणपुर एलएन पटेल, ओरछा मेघलाल मण्डावी सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950